राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार ,05 सितंबर-2021 वर्ष-4,अंक-224 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असम: कार्बी आंगलोंग समझौता हुआ

गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में 1000 कैडर्स ने डाले हथियार

नई दिल्ली।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में शनिवार को कार्बी आंगलोंग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते के बाद अमित शाह ने कहा कि ऐतिहासिक कार्बी आंगलोंग समझौता हुआ है। मोदी सरकार दशकों पुराने संकट को हल करने और असम की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह दिन निश्चित रूप से असम और कार्बी क्षेत्र के इतिहास में स्वर्णमयी अक्षरों के साथ लिखा जाएगा। आज 5 से अधिक संगठनों के लगभग 1000 कैडर ने हथियार डालकर मुख्यधारा में आने की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि कार्बी आंगलोंग के संबंध में असम सरकार पांच साल में एक क्षेत्र के विकास के लिए 1000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। नरेंद्र मोदी सरकार की नीति है कि जो समझौता हम करते हैं, उसकी सभी शर्तों का पालन हम अपने ही समय में पूरा करते हैं। मामले में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम में दो आदिवासी समूह बोडो और कार्बी असम से अलग होना चाहते थे। 2009 में बोडो समझौता हुआ और इसने असम की क्षेत्रीय अखंडता को बसाते हुए विकास का नया रास्ता खोला। आज कार्बी समझौता हुआ। इससे कार्बी आंगलोंग इलाके में शांति आएगी। इस दौरान असम के पूर्व

मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल ने कहा कि ऐतिहासिक कार्बी आंगलोंग समझौते पर हस्ताक्षर पर मैं केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो दशकों पुराने संकट को हल करने, असम की क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं असम के मुख्यमंत्री को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। आज के इस समझौते में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साहसिक गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों का भी योगदान है। उन्होंने कहा कि मेरा मुंबई में तीन दिनों का कार्यक्रम था, लेकिन मुझे पता चला कि यहां एक महत्वपूर्म काम होने वाला है। इसलिए मैंने समझौते को लेकर यहां रहने के लिए वहां का अपना दौरा रद्द कर दिया। कार्बी असम का एक प्रमुख जातीय समूह है, जो कई गुटों से घिरा हुआ है। कार्बी समूह का इतिहास 1980 के दशक की शुरूआत से हत्याओं, जातीय हिंसा, अपहरण और कराधान से जुड़ा रहा है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने समझौते के बाद कहा कि नए समझौते के तहत, पहाड़ी जनजाति के लोग भारतीय संविधान की अनुसूची 6 के तहत आरक्षण के हकदार होंगे। इस साल फरवरी में भी पांच संगठनों से जुड़े 1,040 कार्बी उग्रवादियों ने मुख्यधारा में लौटने के लिए असम के तत्कालीन मुख्यमंत्री सबानंद सोनोवाल के सामने हथियार डाले थे। उग्रवादी पीपुल्स डेमोक्रेटिक काउंसिल ऑफ कार्बी लोंगरी (पीडीसीके), कार्बी लोंगरी एनसी हिल्स लिबरेशन फ्रंट (केएलएनएलएफ), कार्बी पीपुल्स लिबरेशन टाइगर (केपीएलटी), कुकी लिबरेशन फ्रंट (केएलएफ) और यूनाइटेड पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (यूपीएलए) से संबंधित थें।

संक्षिप्त खबरें

शहर से बाहर रहकर भी अमेठी की रखती हूं पूरी खबर: स्मृति ईरानी

अमेठी। दो दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंची केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेसी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमेठी में 70 साल में जो नहीं हुआ वह भाजपा सरकार ने थोड़े समय में करके दिखा दिया। उन्होंने कहा कि आज कोरोना वायरस जैसी महामारी से लड़ने में अमेठी की चिकित्सा व्यवस्था सक्षम है। जगदीशपुर में ट्रॉमा सेंटर का निरीक्षण करने के बाद केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि 70 साल तक अमेठी को तमाम सुविधाओं से वंचित रखा गया, यहां तक कि अमेठी में एक ऑक्सीजन प्लांट भी नहीं था, लेकिन आज अमेठी में सात ऑक्सीजन प्लांट काम कर रहे हैं और ऑक्सीजन के क्षेत्र में अमेठी पूरी तरह से आत्मनिर्भर है। ईरानी ने कहा, अमेठी मेरा घर है, परिवार है और परिवार की देखभाल कैसे की जाती है, यह मुझे पता है। मैं जो कहती हूं, वह करती हूं। आप सब ने देखा है कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान जांच के लिए नमूने लखनऊ भेजने पड़ते थे लेकिन यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार ने ऐसी व्यवस्था की कि अब कोरोना की जांच अमेठी में हो रही है। उन्होंने कहा, मैं अमेठी में रहूं या बाहर, मैं हर पल अमेठी की खबर रखती हूं, प्रशासन के संपर्क में रहती हूं और मेरा अधिकारियों से यह साफ कहना है कि मेरी अमेठी के लोगों को कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। जगदीशपुर में ऑक्सीजन प्लांट के उद्घाटन, ट्रॉमा सेंटर के निरीक्षण के दौरान जिला अधिकारी अरुण कुमार. पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष दुबे मौजूद रहे।

■ संतों की चेतावनी, फैजाबाद की जगह अयोध्या लिखो,

वरना नहीं होने देंगे ओवैसी की रैली

अयोध्या। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले अब अयोध्या के नाम को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। सात सितंबर को अयोध्या में होने वाली एआईएमआईएम की रैली को लेकर लगाए गए पोस्टरों में अयोध्या की जगह फैजाबाद लिखे जाने पर संतों ने आपत्ति जताई है। संतों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि पोस्टर से जल्द नाम न बदला गया तो वह सात सितंबर को होने वाले ओवैसी की रैली नहीं होने देंगे। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेता ने ओवैसी की पार्टी के इस दांव को जवाबी कव्वाली करार दिया है। सात सितंबर को अयोध्या से 40 किलोमीटर दूर रुदौली क्षेत्र में एआईएमआईएम की सियासी सभा शोषित वंचित समाज सम्मेलन नाम से आयोजन होने जा रहा है। इस सभा को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असुद्दीन ओवैसी संबोधित करेंगे। इसको लेकर पोस्टर छपवाए गए थे जिनमें अयोध्या जिले को फैजाबाद लिखा गया था। इस पर अयोध्या के संतो ने कड़ी नाराजगी जताई। तपस्वी छावनी के महंत जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने चेतावनी देते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ ने फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या किया था। ओवैसी ने मुख्यमंत्री योगी व अयोध्यावासियों का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि अगरद फैजाबाद को अयोध्या नहीं किया गया तो वह ओवैसी के अयोध्या प्रवेश और रैली पर रोक लगा देंगे। अयोध्या हनुमानगाढ़ी के पुजारी राजूदास ने ओवैसी के पोस्टर पर सवाल उठाए हैं। ओवैसी के फैजाबाद लिखे पोस्टर पर पुजारी राजूदास ने कहा कि आपको अयोध्या से चिढ़ क्यों है। फैजाबाद का नाम सरकारी अभिलेख में अयोध्या हो गया तो पोस्टर पर फैजाबाद नाम क्यों। इस विचारधारा का संत समाज निंदा करता है। ओवैसी इस पोस्टर को डिलीट करें अन्यथा अच्छा नहीं होगा। उन्होंने ओवैसी पर निशाना साधते हुए कहा, ओवैसी चुनाव के वक्त शोषित वंचित समाज के नाम पर दुकान चला रहे हैं।

मुंबई: बोरिवली में एक इमारत की सातवीं मंजिल में लगी भीषण आग

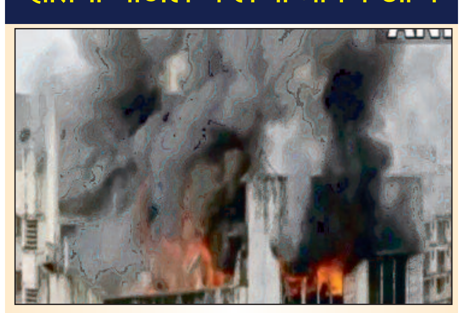

मुम्बई। बड़ी खबर मुंबई से आ रही है। मुंबई के बोरिवली स्थित एक इमारत में भीषण आग लग गई है। बिल्डिंग की सातवीं मंजिल पर यह आग लगी है। इस हादसे में एक दमकल अधिकारी गंभीर रूप से झुलस गया हैं, उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग इतनी भीषण है कि पूरा इलाका धुएं के गुबार से काला पर गया है। फिलहाल दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि सकरी रास्ता होने की वजह से दमकल गाड़ियों को आग पर काबू पाने में परेशानी आ रही है। फायर ब्रिगेड विभाग के आला अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। अधिकारियों ने आसपास की इमारतों को खाली कराने के निर्देश दिए हैं। आग लगने की वजह का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से यह हादसा हुआ है। समाचार एजेंसी एएनआई ने आग लगने का वीडियो जारी किया है। आप देख सकते हैं कि आग कितनी खतरनाक तरीके से फैल रही है।

दिल्ली पुलिस कर्मियों को करना होगा ट्रैफिक नियमों का पालन

उल्लंघन करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के कई कर्मियों को ट्रैफिक के नियमों का पालन नहीं करते हुए पाए जाने के बाद विशेष पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) ने शुक्रवार को एक सर्कुलर जारी कर ऐसे उल्लंघनकताओं को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। सर्कुलर में कहा गया है कि बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन पर चलना, दोपहिया वाहन पर तीन लोगों का बैठना, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट नहीं लगाना, गाड़ी चलाते समय फोन का इस्तेमाल करना, त्रूटिपूर्ण नंबर प्लेट का इस्तेमाल जैसे ट्रैफिक अपराध नजर आए हैं। लोगों ने ऐसी तस्वीरें खींचकर सोशल मीडिया पर डाली हैं, जिससे पुलिस महकमे की किरकिरी हुई है। सर्कुलर के अनुसार, 2020 में दिल्ली पुलिस के 41 और 2021 में अब तक 14 कर्मियों की हादसों में जान गई है। इसमें कहा गया है कि पुलिस कमिश्नर ने कड़ा निर्देश दिया है कि हर पुलिसकर्मी ट्रैफिक नियमों का पालन करे। यदि किसी को उल्लंघन करते हुए पाया गया तो ट्रैफिक पुलिस द्वारा सामान्य अभियोजन के अनुसार, संबंधित डीसीपी/ ट्रैफिक उसकी सूचना जिला/इकाई के डीसीपी को भेजेंगे, जहां उल्लंघनकर्ता सेवारत है और इस सूचना के आधार पर उपयुक्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। विशेष पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक मुक्तेश चंद्र ने कहा कि पुलिस कर्मियों को भी ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए और सड़क सुरक्षा उल्लंघन के किसी भी उदाहरण में पुलिसकर्मी भी दूसरों की तरह अपनी जान गंवाते हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि किसी भी आम आदमी की तरह वे स्वयं ट्रैफिक नियमों का पालन करें। इसलिए, हम पुलिसकर्मियों से कानून का पालन करने की अपेक्षा करते हैं और यदि उनमें से कोई भी ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उन पर भी मुकदमा चलाया जाएगा और उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की जाएगी।

गोरखपुर: सीएम योगी ने किया बाढ़ ग्रस्त इलाके का हवाई सर्वे

बोले: न कोई भूखा रहेगा, न बेघर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में सरकार और प्रशासन पूरी संवेदनशीलता से युद्ध स्तर पर बचाव एवं राहत कार्य में लगा है। बाढ़ से प्रभावित कोई भी व्यक्ति न तो भूखा सोएगा और न ही कोई बेघर रहेगा। इस संबंध में प्रशासन के स्तर पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कराई जा रही है। न केवल बाढ़ बल्कि इसके बाद भी नागरिकों को कोई दिक्कत न हो, इसके लिए कार्ययोजना बना ली गई है। सीएम ने कहा कि प्रदेश के हरेक नागरिक का जीवन हमारे लिए अमूल्य है। हम आश्वस्त करते हैं कि आपदा के इस समय मे सरकार पूरी तत्परता व प्रतिबद्धता से आपके से खड़ी है। सीएम योगी शुक्रवार से पूर्वी उत्तर प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के सघन दौरे पर हैं। सीएम योगी 'हर समय सरकार उनके साथ' होने के भरोसे के साथ अधिकारियों को निर्देशित कर रहे हैं कि किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। शनिवार को सिद्धार्थनगर व महराजगंज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के बाद वह गोरखपुर पहुंचे। यहां उन्होंने झंगहा, खजनी, सहजनवां और लालडिग्गी में बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की और राहत सामग्री का वितरण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल में भारी बारिश से पूर्वांचल के करीब 15 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। गोरखपुर में करीब 304 गांवों की 2.26 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। यहां 405 नाव और 50 स्टीमर लगाए गए हैं। बाढ़ चौकियों व कंट्रोल रूम के जरिए बाढ़ पर नियंत्रण के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राप्ती खतरे के निशान से ढाई से तीन मीटर ऊपर बह रही। पिछले 50 सालों में नदियों का जलस्तर बढ़ने की इतनी खतरनाक स्थिति कभी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि हमनें 1991 व 1998 की स्थिति को भी देखा है। सीएम ने कहा कि बचाव के लिए समय पूर्व किए गए प्रभावी इंतजामों से जन व धन हानि को रोकने का पूरा प्रयास किया गया। इसमें कामयाबी भी मिली। बाढ़ की आशंका को देखते हुए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व पीएसी की फ्लड यूनिट को पहले से ही सक्रिय कर दिया गया था। पर्याप्त संख्या में नावों की व्यवस्था के साथ राहत सामग्री का पर्याप्त इंतजाम है। सीएम ने कहा कि हम पिछले डेढ़ साल से कोरोना महामारी से जूझ रहे हैं और अब बाढ़ से भी, लेकिन धैर्य के साथ इस संकट का मुकाबला करते हुए हम शीघ्र ही बाढ़ की स्थिति पर नियंत्रण प्राप्त कर लेंगे। सीएम योगी ने बताया कि बाढ़ पीड़ितों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न वितरण कराया जा रहा है। हर राशन सामग्री किट में 10-10 किलो चावल और आलू के अलॉस 2 किलो अरहर दाल, रिफाइंड तेल, नमक, हल्दी, मिर्च, मसाले के पैकेट, लाई, चना, गुड़, मोमबत्ती, दियासलाई आदि के साथ ही छाता व बरसाती भी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन दिन के भीतर सभी पीड़ितों तक राहत सामग्री पहुंचा दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन घरों में बाढ़ या बारिश का पानी घुस गया है, उन परिवारों के भोजन के लिए कम्युनिटी किचेन की व्यवस्था की जा रही है। सरकार इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि एक भी नागरिक भूखा न रहने पाए। पानी से घिरे लोगों को उनके दरवाजे पर ही भोजन पैकेट उपलब्ध कराया जा रहा है।

तालिबान के खिलाफ महिलाओं ने खोला मोर्चा, पीट-पीट कर किया लहूलुहान

काबुल। अफगानिस्तान में एक महिला एक्टिविस्ट ने तालिबान पर उनकी बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगाया है। यह महिला एक्टिविस्ट काबुल में एक प्रदर्शन में शामिल हुई थीं। राजनीतिक अधिकारों की मांग को लेकर किये गये इस प्रदर्शन में शामिल इस महिला कार्यकर्ता का एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में उनके सिर पर गहरी चोट नजर आ रही है और खून उनके चेहरे तक नजर आ रहा है। एक्टिविस्ट नगरिस साद्दात का आरोप है कि शनिवार को एक प्रदर्शन के दौरान तालाबिन ने उनकी पिटाई की है। अफगानिस्तान में तालिबान के शासन के दौरान राजनीतिक व्यवस्था में महिलाओं को अधिकार देने की मांग को लेकर यह प्रदर्शन किया जा रहा था। एक न्यूज चैनल ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि तालिबान इस प्रदर्शन का शुरू से ही विरोध कर रहा था और उसने प्रदर्शनकारी महिलाओं पर प्रेसिडेन्शियल पैलेक से पास आंसू गैस भी छोड़े। महिला एक्टिविस्ट और प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वो प्रेसिडेन्शियल पैलेस के गेट के सामने प्रदर्शन करना चाहती थीं। लेकिन तालिबान से इनकी इजाजत नहीं दी। कुछ पत्रकारों ने इस प्रदर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से पूछा, अभी तक कितने मुकदमों में दिलवाई सजा

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की कार्यशैली पर सुप्रीम कोर्ट ने फिर से नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने एजेंसी से सफलता दर की रिपोर्ट मांगी है। सीबीआई की ओर से चलाए जा रहे मुकदमों में देरी का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अदालती मामलों में एजेंसी की सफलता दर पर आंकड़ा सौंपने को कहा है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट सीबीआई के प्रदर्शन का मूल्यांकन कर सकता है। दरअसल, एक मामले में सीबीआई द्वारा 542 दिनों की देरी के बाद याचिका दायर पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई के कामकाज और उसके प्रदर्शन का विश्लेषण करने का फैसला किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई निदेशक को कहा है कि वह उन मामलों की संख्या को कोर्ट के सामने रखें, जिनमें एजेंसी ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्टों में अभियुक्तों को दोषी ठहराने में सफल रही है। कोर्ट ने यह भी पूछा है कि सीबीआई निदेशक ने कानूनी प्रक्रिया के संबंध में एजेंसी को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए हैं या उठा रहे हैं? जस्टिस संजय किशन कौल और एमएम सुंदरेश की पीठ ने कहा कि सीबीआई की कुछ जवाबदेही भी होनी चाहिए। दो जजों की बेंचे (जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एम सुंदरेश) ने कहा कि एजेंसी का कामे केवल मामला दर्ज करना और जांच करना ही नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि कितने मामलों में अभी तक दोषियों को सजा दिलवाई है। पीठ ने सीबीआई से अभी चल रही केसों की जांच और सफलतापूर्वक पूरे किए गए मामलों का पूरा ब्योरा मांगा है।

24 घंटे पानी देने की दिल्ली सरकार की योजना हो गई फेल? 8 साल बाद भी महज 5 फीसदी घरों में आपूर्ति

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की ओर से मालवीय नगर और वसंत विहार इलाके में 24 घंटे जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए शुरू किए गए पायलट प्रोजेक्ट के 8 साल बीतने के बाद भी इन दोनों क्षेत्रों के मात्र 5 प्रतिशत घरों में ही इसका लाभ पहुंच सका है। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने जनवरी 2013 में निजी कंपनियों के साथ साझेदारी में परियोजना शुरू की थी। अधिकारियों ने बताया कि काम पूरा करने की समय सीमा दिसंबर 2014 थी। मालवीय नगर में 50,000 और वसंत विहार में 8,000 घर हैं। आंकड़ों के मुताबिक, लगभग साढ़े आठ साल बीतने के बाद मालवीय नगर के केवल नवजीवन विहार और गीतांजलि एंक्लेव के मात्र 783 घरों को इस परियोजना का लाभ मिला है। इसके अलावा वसंत विहार के वेस्ट एंड कॉलोनी, आनंद निकेतन और शांति निकेतन के 2,156 घरों को ही इसका लाभ मिल पाया है। अधिकारियों ने बताया कि समूचे परियोजना क्षेत्र को 24७७ जलापूर्ति करने के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है। एक अधिकारी ने कहा कि ज्यादातर जगहों पर पानी की आपूर्ति के लिए बुनियादी ढांचा तैयार है, लेकिन सभी को देने के लिए और पानी की आवश्यकता है। दिल्ली में हर घर

में औसतन चार घंटे पानी आता है। राजधानी में प्रतिदिन 1140 एमजीडी पानी की जरूरत है, जबकि दिल्ली जल बोर्ड 935 एमजीडी की आपूर्ति ही करता है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि डीजेबी कई जल परियोजनाओं पर एक साथ काम कर रहा है और आने वाले सालों में इसके नतीजे देखने को मिलेंगे। डीजेबी की योजना पल्ला में उच्च गुणवत्ता वाले उपचारित अपशिष्ट को निकालने और आगे के उपचार के लिए वजीराबाद में उठाने की है। भारत में अपनी तरह की यह पहली परियोजना दिसंबर 2024 तक अतिरिक्त 95 एमजीडी पानी देगी। दिसंबर 2022 तक राजधानी को हिमाचल प्रदेश से 50 एमजीडी और पानी मिलेगा। अगले साल अक्टूबर तक, उपयोगिता मॉनसून के मौसम में अतिरिक्त पानी को बनाए रखने के लिए यमुना बाढ़ के मैदानों में बनाए गए जलाशयों से 25 एमजीडी निकालना शुरू कर देगी। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के नजफगढ़ में रोटा जैसे उच्च जलस्तर वाले क्षेत्रों से लगभग 200 एमजीडी भूजल निकाला जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तालिबानी सरकार

अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत का एक शुरुआती स्वरूप सामने आ गया है। तालिबान ने दुनिया को एक तरह से बता दिया कि उनकी सरकार का नेतृत्व तालिबान के सह-संस्थापक मुल्ला अब्दुल गनी बरादर करेंगे। पहले यह माना जा रहा था कि नेतृत्व अखुंदजादा के हाथों में होगा। संभावना है, अखुंदजादा के पास तालिबान सरकार के सुप्रीम लीडर या संरक्षक या राष्ट्रपति जैसा कोई पद होगा, जबकि अब्दुल गनी बरादर रोजमर्रा के मामलों के लिए ठीक उसी तरह जिम्मेदार होंगे, जैसे कोई प्रधानमंत्री होता है। बरादर की भूमिका बाहर से तालिबान को मजबूत करने में ज्यादा रही है। वह लंबे समय से तालिबान के राजनीतिक मामलों को देख रहे हैं और इसी का उन्हें फायदा मिला है। अमेरिका की वापसी में भी बरादर का बड़ा हाथ है। बरादर को अमेरिका ने ही पाकिस्तान की जेल से छुड़ाया था। अतः हम कह सकते हैं कि जिन तालिबानी नेताओं को अमेरिका ने आगे बढ़ाया, नेतृत्व उन्हीं के पास है। यह बात अमेरिका के पक्ष में होगी, लेकिन इससे खुद तालिबान या अफगानिस्तान को क्या फायदा होगा, यह देखने वाली बात होगी। तालिबानी सरकार के चेहरे एक-एक कर सामने आने चाहिए। तालिबान अगर हमारे समय की एक हकीकत है, तो उससे निपटने की व्यावहारिकता भी भारत या दुनिया के अन्य देशों में होनी चाहिए। लेकिन यहां जिम्मेदारी खुद तालिबान पर ज्यादा है, उन्हें अगर वैध रूप से सरकार का नेतृत्व करना है, तो उस सभ्यता का परिचय देना पड़ेगा, जिसकी दुहाई रूसी राष्ट्रपति पुतिन दे रहे हैं। पुतिन ने कहा है कि तालिबान जितनी जल्दी सभ्य तरीके से लोगों से जुड़ेगा, उससे संवाद करना, संपर्क करना और सवाल पूछना उतना ही आसान होगा। हालांकि, तालिबान का एक हिस्सा है, जो मुंह छिपाए सत्ता में आ बैठा है। मुंह छिपाए किसी का सिर कलम किया जा सकता है, लेकिन अपनी हुकूमत के वास्ते वैधता हासिल करने के लिए बे-नकाब आना होगा। क्या तालिबान या उसके तमाम सहयोगी (आईएस और अल-कायदा भी) परदा उठाकर सामने आ सकेंगे? मजहब का काम हो या मुल्क का, नकाब लगाकर कौन करता है? पुतिन अगर सभ्यता की याद दिला रहे हैं और तालिबान के आर्थिक मददगार चीन को भी कमोबेश बदनामी की चिंता है, तो तालिबान को सुधरे रूप में सामने आना चाहिए। शायद भारत को भी इसी दिशा में विचार-व्यवहार करना चाहिए। पुतिन ने उचित ही कहा था कि अमेरिकी सेना अफगानिस्तान में 20 साल रही, वहां लोगों को अमेरिकी सभ्यता सिखाने की नाकाम कोशिश की। कोई आश्चर्य नहीं, आज अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन की लोकप्रियता अपने सबसे निचले पायदान पर है। मतलब, जिन अमेरिकियों के हित में फौज वापसी हुई, वे भी बाइडन से खुश नहीं हैं। बहरहाल, तालिबान अगर सभ्य ढंग से सरकार चलाने में कामयाब होते हैं, तो इससे जो बाइडन को भले राजनीतिक लाभ हो, मगर अमेरिका के रसूख पर गहरा असर तो पड़ चुका है। अब भी जहां अमेरिका को मुंह चुराने से बचना चाहिए, वहीं तालिबान के नए नेतृत्वकर्ता अब्दुल गनी बरादर के कंधे पर सबसे ज्यादा जिम्मेदारी है। दुनिया देखना चाहेगी कि उन्होंने उन अमेरिकियों के साथ बैठकर क्या सीखा है, जो कम से कम अपने देश में सुशासन और लोकतंत्र के लिए पहचाने जाते हैं।

'आज के ट्वीट

बहुत-बहुत बधाई

छह जिलों में हुए पंचायत समिति एवं जिला परिषद चुनावों के नतीजों में कांग्रेस को जीत दिलाने के लिए सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करता हूं। सभी विजयी प्रत्याशियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जीत की बहुत-बहुत बधाई।

-- मु. अशोक गहलोत

युवाओं की पहल से कामयाब होता टीकाकरण अभियान

– रूबी सरकार

कोरोना से बचाव का अभी एक मात्र साधन टीका है। नीति आयोग के दिशा-निर्देश पर टीके के प्रति भय और भ्रांतियां दूर करने शहर के पढ़े-लिखे युवा शोधार्थी मध्य प्रदेश के आकांक्षी जिलों के सुदूर गांव में पहुंचकर ग्रामीणों को कोरोना से बचाव के टीके के बारे में विस्तृत जानकारी दे रहे हैं। इसके लिए वह दीवार लेखन और चित्र के माध्यम से 'सुरक्षित हम, सुरक्षित तुम' अभियान के तहत पिछले दो महीने से उनके साथ काम कर रहे हैं। अपने साथ गांवों के युवाओं को भी इस अभियान से जोड़ रहे हैं और इस तरह शोधार्थी युवाओं ने सौ फीसदी टीकाकरण करवाने में कामयाबी हासिल कर ली है। टीके के साथ ही वह मास्क, सामाजिक दूरी बनाए रखने, बार-बार साबुन से हाथ घाने और घर के आस-पास सफाई रखने का प्रशिक्षण भी ग्रामीणों को दे रहे हैं। दरअसल, जब कोरोना महामारी की दूसरी लहर से दस्तक दी, तो ग्रामीण इसके प्रति लापरवाह थे। उन्हें यह लग रहा था, कि यह शहर के लोगों पर हावी होगा। चूंकि वह प्रकृति के साथ मिलजुल कर रहते हैं, इसलिए यह बीमारी उन्हें नुकसान नहीं पहुंचायेगा। लेकिन इस दौरान पलायन पर जाने वाले लोग गांव वापस आये और साथ में यह बीमारी भी ले आये। फिर तो गांव में डर, भ्रम, बीमारी को छिपाने का जो दौर शुरू हुआ, उससे ग्रामीणों के जान-माल का बहुत नुकसान हुआ। वह इसे दैवीय प्रकोप मान कर पूजा-पाठ, टोने-टोटके इत्यादि पर ज्यादा भरोसा करने लगे। बीमारी को भगाने की जो असली वजह हो सकती है, उस पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया। शहरों में लॉकडाउन लगा था और स्वास्थ्य कर्मियों की उन तक पहुंच नहीं थी। ग्रामीणों के साथ स्वास्थ्य कर्मियों का इससे पहले कोई जुड़ाव नहीं था, लिहाजा वह उनकी बातों पर भरोसा नहीं कर पा रहे थे, उल्टे उनसे उलझ जाते थे। उन्हें देखकर दरवाजा बंद कर लेते थे। ऐसे में नीति आयोग को लगा, कि जो सदियों से ग्रामीणों को स्वावलंबन के लिए काम कर रहे हैं, ऐसे स्वयंसेवी संस्थाओं को जोड़ा जाये, ताकि कोई सकारात्मक परिणाम निकले। इसे ध्यान में रखते हुए नीति आयोग ने एनजीओ और स्वयंसेवी संगठनों को पत्र लिखा और संस्थाओं ने पत्र के अनुपालन में पढ़े-लिखे युवाओं को गांव जाकर वहां के लोगों को समझाने की चुनौती दी। युवा गांव जाकर ग्रामीणों को विश्वास में लेकर इस महामारी को खत्म करने में उनकी मदद करने लगे। इस तरह बहुत सारे युवाओं ने इस चुनौती को स्वीकार किया और ग्रामीणों के बीच काम करने लग गये। इसी कड़ी में एक संस्था पीरामल फाउंडेशन ने कुछ युवाओं को तैयार कर उन्हें मध्यप्रदेश के उन गांवों में भेजा, जिसे केंद्र सरकार ने आकांक्षी जिलों के रूप में चुना है। जहां लोग पूरी तरह खेती पर आश्रित हैं या फिर रोजगार के लिए पलायन करते हैं और लॉकडाउन के बाद गांव वापस आये थे। जब इन युवाओं ने ग्रामीणों को प्रेरित किया, तो धीरे-धीरे इनकी मुश्किलें कम होने लगी। ग्रामीण उनके साथ बातचीत करने को तैयार हो गये। यहां तक उनके कहने पर टीके लगाने को भी तैयार हो गये। इसमें भी सबसे पहले गांव के युवा सामने आये। अपने घर के बच्चों से प्रेरित होकर बुजुर्ग भी टीके लगाने को राजी हो गये। सबसे पहले फाउंडेशन ने सुरक्षित हम, सुरक्षित तुम अभियान के तहत विदिशा जिला के लटेरी विकास खण्ड में अनिता, मीना और मदन मोहन को वॉलिंटियर्स बनाकर भेजा। इन युवाओं का नेतृत्व सुबोध मण्डलोई ने किया। इन्होंने सबसे पहले इस विकासखंड के ग्राम कोलू खेड़ी और खेड़ा को चुना। क्योंकि यह गांव विदिशा मुख्यालय से करीब सौ किलोमीटर दूर है और इन ग्रामीणों का शहर के चिकित्सकों पर कम और टोना-टोटके पर ज्यादा भरोसा था। उन्होंने घरों में घूम-घूम कर लोगों को टीकाकरण के प्रति भय और भ्रम को खत्म करने का प्रयास किया और ग्रामीणों को टीके के लिए राजी किया। अनिता ने कहा, कि इन लोगों ने स्थानीय भाषा में ग्रामीणों को समझाया, कि अभी इस बीमारी के इलाज के लिए कोई दवा नहीं है। सिर्फ टीके से हम रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं, जो इस बीमारी के साथ लड़ने में काम आयेगा। इसी तरह अन्नपूर्णा, नूतन, श्रुति, आमिर खान, बनारसी और प्रीति ने डोडखेड़ा ग्राम पंचायत के आस-पास लगभग दर्जन भर गांवों में मोर्चा संभाला और यहां के करीब एक हजार परिवारों को कोविड के खतरे से आगाह किया और उन्हें टीके के प्रति जागरूक किया। इन लोगों ने यहां लोगों के घरों की दीवारों पर उनकी अनुमति से नारे लिखे। जिसे आते-जाते ग्रामीण पढ़ें और इससे प्रभावित हों। इस संबंध में समाजसेवी रामबाबू कुशवाहा ने कहा, कि हम लोगों ने बैठकर नारे बनाये- 'जन-जन की पुकार, टीका ही है कोरोना का सच्चा उपचार,' 'चलो चलकर टीका लगाये, देश के प्रति फर्ज निभाये' जैसे नारों से इन गांवों के दीवारों को पाट दिया। जब ग्रामीणों से टीके के प्रति भय और भ्रम के बारे में पूछा गया, तो कोलूखेड़ा गांव की प्रीति बाई ने बताया, कि हम लोगों ने सुना था, कि यह जो बीमारी है, यह दैवीय प्रकोप है और टीका लगाने से यह बीमारी खत्म नहीं होगा, बल्कि आदमी खत्म हो जायेगा। वह जिंदगी भर के लिए अपाहिज हो जाएगा। अब लग रहा है, यह सब अफवाह था। अगर भईया लोग गांव नहीं आते, तो हम लोग घर में झाड़-फूंक से इसे ठीक करने की कोशिश करते रह जाते और न जाने कितनों की जान इस तरह चली जाती। प्रीति ने कहा, शुरू में गांव के लोग इन्हें देखकर दरवाजा बंद कर देते थे, लेकिन हमारे परिवार के बच्चों ने उनका स्वागत किया, इनसे बात की। जो कुछ भईया लोग कह रहे थे, उसे सुना और हम लोगों को समझाया। जब 18 से अधिक उम्र वालों को टीका लगाना शुरू हुआ, तो सबसे पहले घर के बच्चों ने ही टीका लगवाया। फिर जब हम लोगों ने देखा, कि बच्चे तो स्वस्थ हैं, इनकी तबीयत खराब नहीं हुई, फिर 15 दिन देखने के बाद हम लोगों में हिम्मत बढ़ी। इसमें जितनी भूमिका फाउंडेशन का है, उतना ही हमारे घर के बच्चों का भी है। अगर वह आगे नहीं आते, तो शायद हम लोग कभी भी इन बाहरी युवाओं से घुल-मिल नहीं पाते। इस तरह ग्रामीणों का बड़ा नुकसान होने से बच गया। क्योंकि विदिशा के गांवों में भी कोरोना फैला और काफी लोगों की जान भी गई। लेकिन हमें समझाने वाला कोई नहीं था। वहीं डोंडखेड़ा ग्राम पंचायत के 37 वर्षीय पवन मीना बताते हैं, कि हमारे पंचायत में सभी को पहली खुराक मिल चुकी है और करीब 90 फीसदी लोगों को दूसरी खुराक भी मिल चुकी है। पवन ने बताया, इस पंचायत में अधिकतम मीना जाति के लोग हैं। एक हजार परिवार में तीन-चार सौ अन्य जाति के हैं। उसने कहा, कि इस पंचायत में आदमी से ज्यादा औरतें टीके लगवाने से डरती थीं और वही पुरुषों को भी टीका न लगवाने के लिए कहती थीं। पुरुष तो कुछ पढ़े-लिखे हैं और कुछ बाहर जाकर काम करते हैं, इसलिए कोरोना के बारे में थोड़ा बहुत जान गये थे, लेकिन गांव की औरतें बहुत डरी हुई थीं। अब सभी का डर खत्म हो गया है, तभी करीब सौ फीसदी टीकाकरण भी हो चुका है। बहरहाल, युवाओं के इस पहल ने विदिशा ज़िले के इस गांव को टीकायुक्त तो बना दिया है, लेकिन अभी भी देश के ऐसे कई गांव हैं, जहां टीका के प्रति लोगों में भ्रांतियां हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। टीकाकरण में एक करोड़ का आंकड़ा पार कर लेना यक़ीनन बहुत बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इस अभियान में यदि देश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र पिछड़ गए तो उपलब्धि के मायने अधूरे रह जायेंगे। पोलियो अभियान की तर्ज़ पर फिर से इस नारा को ज़िंदा करना होगा 'एक भी व्यक्ति छूट गया, समझो सुरक्षा चक्र टूट गया'.

शारीरिक श्रम

आचार्य रजनीश ओशो/ शारीरिक श्रम एक लज्जापूर्ण कृत्य हो गया है, शर्म की बात हो गई है। अब्राहम लिंकन एक दिन सुबह-सुबह अपने घर बैठा जूतों पर पॉलिश कर रहा था। उसका एक मित्र आया। मित्र ने कहाः 'लिंकन, यह क्या करते हो? खुद ही अपने जूतों पर पॉलिश करते हो'? लिंकन ने कहाः 'तुमने मुझे हैरानी में डाल दिया। तुम क्या दूसरों के जूतों पर पॉलिश करते हो? मैं अपने ही जूतों पर पॉलिश कर रहा हूं। तुम क्या दूसरों के जूतों पर पॉलिश करते हो'? उसने कहा कि 'नहीं-नहीं, मैं तो दूसरों से करवाता हूं'। लिंकन ने कहाः 'दूसरों के जूतों पर पॉलिश करने से भी बुरी बात यह है कि तुम किसी आदमी से जूते पर पॉलिश करवाओ। इसका मतलब क्या है? इसका मतलब यह है कि जीवन से सीधे संबंध हम खो रहे हैं। जीवन के साथ हमारे सीधे संबंध श्रम के संबंध हैं। कन्फ्यूशियस के जमाने में-कोई तीन हजार वर्ष पहले-कनफ्यूशियस एक गांव में घूमने गया। उसने एक बगीचे में एक माली देखा। बूढ़ा माली कुएं से पानी खींच रहा है। बूढ़े माली का कुएं से पानी खींचना बड़ा कष्टपूर्ण है। वह बुड्ढा लगा हुआ है पानी को..जहां बैल लगाए जाते हैं, वहां बुड्ढा लगा हुआ है और उसका जवान लड़का भी लगा हुआ है। दोनों पानी खींच रहे हैं। कन्फ्यूशियस को खयाल हुआ कि क्या इस बूढ़े को अब तक पता नहीं है कि बैलों या घोड़ों से पानी खींचा जाने लगा है। यह कहां के पुराने ढंग को अख्तियार किए हुए है? तो बूढ़े आदमी के पास कनफ्यूशियस गया और उससे बोला, 'मेरे मित्र! क्या तुम्हें पता नहीं है, नई ईजाद हो गई है। लोग घोड़े और बैलों को जोत कर पानी खींचते हैं, तुम खुद लगे हुए हो'? बूढ़े ने कहाः 'धीरे बोलो, धीरे बोलो। क्योंकि मुझे तो कुछ खतरा नहीं है, लेकिन मेरा जवान लड़का न सुन ले'। कनफ्यूशियस ने कहाः 'तुम्हारा मतलब'? उस बूढ़े ने कहाः 'मुझे सब ईजाद पता है, लेकिन ईजाद आदमी को श्रम से दूर करने वाली है।और मैं नहीं चाहता कि मेरा लड़का श्रम से दूर हो जाए क्योंकि जिस दिन वह श्रम से दूर होगा, उसी दिन जीवन से भी दूर हो जाएगा'। जीवन और श्रम समानार्थक हैं। जीवन और श्रम एक ही अर्थ रखते हैं। लेकिन धीरे-धीरे हम उनको धन्यभागी कहने लगे हैं, जिनको श्रम नहीं करना पड़ता और उनको अभागे जिनको श्रम करना पड़ता है। और यह हुआ भी। एक अर्थ में बहुत से लोगों ने श्रम करना छोड़ दिया तो कुछ लोगों पर बहुत श्रम पड़ गया। बहुत श्रम प्राण ले लेता है, कम श्रम भी प्राण ले लेता है।

अपना ही अपनाएँ

– डॉ. दीपक आचार्य

हम सभी लोग चाहते हैं कि जीवन में जो कुछ हो वह हमारा मनचाहा ही हो, अनचाहा कभी न हो। लेकिन यह तभी संभव है कि जब हम मनुष्य के रूप में अपने निर्धारित दायरों और औकात में रहें, अपनी मर्यादाओं का पूरा-पूरा पालन करें और उन परंपरागत मूल्यों और शाश्वत सिद्धान्तों के साथ जिएं जो इहलोक और परलोक में भी जीवात्मा के लिए कल्याणकारक हैं। पर ऐसा हो नहीं रहा। हमारी मुफ्तखोरी और जिन्दगी भर पराश्रित रहते हुए किसी न किसी पर निर्भर रहने और परजीवियों की तरह व्यवहार करने की आदत ही ऐसी पड़ गई है कि हम प्रत्यक्ष तौर पर इसे लाभ के रूप में देखते हैं लेकिन सच यह है कि परोक्ष रूप में यह हानि ही हानि है। और हानि भी ऐसी कि जिसकी भरपाई एक जन्म में हो पानी संभव है ही नहीं। फिर भी परिग्रह और पराये द्रव्य के प्रति हमारी आसक्ति मरते दम तक नहीं जाती। यही हमारी सबसे बड़ी दुर्बलता है। अपने स्वार्थों को पूरा करने तथा मुफत का खान-पान और मौज पाने के लिए हम पशुओं की तरह हम बाड़े और आकाओं को बदलते रहते हैं। हमारी न कोई विचारधारा है, न कोई सिद्धान्त, न जीवन या जगत के लिए कोई लक्ष्य। जहाँ कुछ दिख जाए, मिल जाए, उसी बाड़े में घुस कर रेंकने, रंभाने और भौंकने लगते हैं। न दिन देखते हैं, न रात। झींगुरों की तरह अपने वजूद को सिद्ध करने के लिए बेवजह गुंजन करते रहते हैं। एक जमाना था जब पशुओं की संख्या के आधार पर लोगों की समृद्धि का आकलन किया जाता था। आज अंधानुचरों और भीड़ को देखकर अंदाज लगाए जाते हैं। पालने वालों की ही तरह पलने वाले भी खूब हो गए हैं। हम जीवन भर अधिकांश मामलों में दूसरों पर आश्रित होते जा रहे हैं। हमें अपनी प्रतिभा, क्षमता और कर्मयोग पर भरोसा कम है जबकि औरों की दया, करुणा और कृपा पर अधिक। यही कारण है कि हमारा पुरुषार्थ खत्म होता जा रहा है और पराश्रितता बढ़ती ही चली जा रही है। खूब सारे लोग हैं जिनसे अपना जीवन चलता नहीं, चलाना आता नहीं, वे दूसरों के दम पर जी रहे हैं, उछलकूद और धींगामस्ती कर रहे हैं। परजीवियों की तरह अमरबेल बने रहना अपने आप में किश्तों-किश्तों में स्वैच्छिक आत्मघात से कम नहीं है। हैरत की बात ये है कि नाकाबिल और प्रतिभाशून्य लोग काबिलों पर अंगुलियां उठाने लगे हैं, अंगुली करने लगे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि अपने जीवन को यशस्वी बनाना चाहें तो अपना खान-पान भी खुद की कमाई से करें। पराये पैसों और दूसरों के खान-पान से शरीर पुष्ट होता तो दिखेगा, किन्तु वह अपने किसी काम नहीं आएगा। बाहरी और पराये खान-पान से निर्मित उत्तकों और कोशिकाओं का कोई भरोसा नहीं। बाहरी एवं दूसरों के पैसों से खान-पान होने पर दूसरों के खान-पान से बना रक्त, हाड़-माँस, चर्बी आदि सब कुछ मृत्यु से पूर्व किसी न किसी रूप में बाहर निकल ही जाते हैं और जितनी धनराशि का पराया खान-पान होता है उतनी से कहीं अधिक धनराशि बीमारियों के ईलाज पर खर्च हो जाती है। यह हमारा भ्रम ही है कि हम अपने पैसे बचा रहे हैं और जितना खाना-पीना पराये पैसों से हो जाए, उतनी बचत होगी। असल में यह बचत न होकर बीमारियों के ईलाज अथवा दुर्घटना के लिए धनराशि के इंतजाम की भूमिका ही होती है। हराम का और पराया खान-पान करने से शरीर एक समय बाद अपना नहीं रह जाता और

कुछ वर्षों बाद अपना ही शरीर बोरे की तरह और पराया-पराया नाकारा लगने लगता है, काम में मन नहीं लगता और अक्सर यही विचार आते हैं कि अब ये शरीर किसी काम का नहीं रहा। यह ठीक इसी तरह है कि पराये सुरक्षा गाड्र्स के भरोसे किसी की रक्षा की कोई गारंटी नहीं। खान-पान के बारे में यह प्रसिद्ध है कि जैसा अन्न वैसा मन, जैसा पानी वैसी वाणी। यह सौ फीसदी सत्य है। इसे कोई झुठला नहीं सकता। खान-पान के लिए सर्वोपरि आरंभिक सिद्धान्त तीन ही हैं जिनसे शरीर को लम्बे समय तक निरोगी और चित्त को आनंदित रखा जा सकता है। ऋत भुक् अर्थात् सात्विक धन से प्राप्त, हित भुक् अर्थात शरीर के लिए हितकारी, और मित भुक् अर्थात् शरीर की जरूरत के अनुसार ही स्वीकारना। इन तीन सूत्रों का उल्लंघन ही आज सेहत की तमाम समस्याओं का मूल कारण है। पराये खान-पान से शरीर के अंग-प्रत्यंगों में विकार और परायापन आ जाता है। जब हमारे अपने खान-पान की अपेक्षा पराये खान-पान या हराम की पेय-भोज्य सामग्री का अनुपात बढ़ जाता है तब हमारी स्थिति विचित्र हो जाती है और शरीर से अपनापन, आत्म आनंद गायब होता जाता है। स्वयं की आत्मा शरीर के पिंजरे में रहकर अशुद्धि और पापों के कारण कुलबुलाती है और हमेशा इसी में लगी रहती है कि इस गंदे पिंजरे को छोड़कर कब बाहर निकले। जहाँ प्रेमपूर्वक आतिथ्य सत्कार हो, स्वेच्छा से खिलाने-पिलाने वाले को अतीव प्रसन्नता का अनुभव हो, उसका धन शुद्ध सात्विक हो, स्वभाव एवं व्यवहार से सज्जन हो, ऐसे लोगों के खान-पान से कोई हानि नहीं है लेकिन प्रलोभन, किसी कार्यवश या दबाव अथवा भिखारियों की तरह मांग कर खाया-पिया सब कुछ एक समय बाद किसी न किसी रूप में बाहर निकलना ही है। यह शरीर को नुकसान करता ही है, इसे कोई रोक नहीं सकता। पराये और हराम के खान-पान वाले लोगों को चौतरफा नुकसान ही नुकसान है। एक समय बाद उनका अपना ही शरीर साथ नहीं देता, भार स्वरूप लगता है और धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की गतिविधियों में मन नहीं लगता। अन्न दोष और पापों से उनका आभामण्डल(ओरा) इतना अधिक भारी और पसरा हुआ हो जाता है कि इन लोगों की गति-मुक्ति भी तब तक नहीं होती, जब तक खाए-पिए का एक-एक पैसा चुकारा न हो जाए। आम तौर पर खान-पान और व्यवहार सामान्य बात हो सकती है किन्तु इसका असर न केवल वर्तमान जन्म पर ही पड़ता है, बल्कि आने वाले कई जन्मों तक भुगतना पड़ना है। ऐसे लोगों के लिए मोक्ष की कामना और कल्पना भी नहीं की जा सकती। इनमें से अधिकांश प्रेत योनि को प्राप्त होते हैं और बाद में पशु-पक्षियों और भुजंगों की योनियां पाते हुए भटकते रहते हैं। इन सबसे बचने के लिए जरूरी है शुचिता और पुरुषार्थ पर सर्वाधिक ध्यान केन्द्रित करना। इसके बिना मानव जीवन व्यर्थ ही है।

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चो का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

कोल इंडिया ने कोयला संसाधनों के बेहतर आकलन के लिए सॉफ्टवेयर पेश किया

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने शनिवार को कहा कि उसने एक सॉफ्टवेयर पेश किया है जो भू-पर्पटी के नीचे कोयले की पतली परतों की पहचान करने और निष्कर्षण प्रक्रिया के दौरान भूकंपीय सर्वेक्षण का इस्तेमाल करके जीवाश्म ईंधन के संसाधन के आकलन में सुधार करने में मदद करेगा। यह सॉफ्टवेयर पेश किया जाना इस वजह से महत्व रखता है कि कोयला संसाधन अन्वेषण के लिए वर्तमान भूकंपीय सर्वेक्षण तकनीकों में पृथ्वी के नीचे पतले कोयला सीम की पहचान करने से जुड़ी क्षमताएं सीमित हैं। लेकिन अब यह संभव होगा क्योंकि यह नया सॉफ्टवेयर भूकंपीय संकेतों के समाधान को बढ़ाने में मदद करता है जिससे सबसे पतले कोयला सीम का चित्रण होता है। महारत्न कंपनी ने एक बयान में कहा, 'कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने 'स्पेक्ट्रल एन्हांसमेंट' (एसपीई) नाम का एक सॉफ्टवेयर पेश किया है।' सीआईएल की शोध एवं विकास (आरएंडडी) शाखा, सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट (सीएमपीडीआई) ने गुजरात एनर्जी रिसर्च एंड मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट (जीईआरएमआई) के सहयोग से अपनी तरह का यह पहला सॉफ्टवेयर विकसित किया है और कंपनी इसके कॉपीराइट के लिए भी आवेदन दाखिल करेगी। यह 'मेड इन इंडिया' सॉफ्टवेयर कोयले की खोज में लगने वाले समय और लागत को बचाने में भी मदद करेगा और इस प्रकार कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत के मिशन को बढ़ावा देगा। सीआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक प्रमोद अग्रवाल ने महारत्न कंपनी के आरएंडडी बोर्ड की उपस्थिति में सॉफ्टवेयर पेश किया।

अलीबाबा ने चीन को साझा समृद्धि हासिल करने को 15.5 अरब डॉलर देने का वादा किया

बीजिंग। अलीबाबा साझा समृद्धि हासिल करने के चीन के अभियान में 100 अरब युआन (15.5 अरब डॉलर) का निवेश कर रहा है। टेक दिग्गज ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह 2025 तक पांच प्राथमिकताओं - प्रौद्योगिकी में नवाचार, आर्थिक विकास, उच्च-गुणवत्ता वाले रोजगार का निर्माण, कमजोर समुदायों का समर्थन करने और एक विशेष विकास निधि की स्थापना पर ध्यान देने के साथ चौंका देने वाली राशि खर्च करेगा। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने देश के कम विकसित क्षेत्रों में तकनीकी निवेश बढ़ाने से लेकर गिग इकॉनमी वर्कर्स के कल्याण में सुधार और छोटे व्यवसायों और कृषि के विकास को गति देने के लिए काम करने वाले 10 विशिष्ट लक्ष्यों को पूरा करने की योजना बनाई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अलीबाबा समृद्धि उन्नति कार्य समिति बना रही है, जिसे अध्यक्ष और सीईओ डैनियल झांग द्वारा संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा, अलीबाबा पिछले 22 वर्षों में चीन में मजबूत सामाजिक और आर्थिक प्रगति का लाभार्थी है। हम दृढ़ता से मानते हैं कि अगर समाज अच्छा कर रहा है और अर्थव्यवस्था अच्छा कर रही है, तो अलीबाबा अच्छा करेगा। उन्होंने कहा, हम उच्च गुणवत्ता वाले विकास के माध्यम से आम समृद्धि की प्राप्ति का समर्थन करने के लिए अपना हिस्सा करने के लिए उत्सुक हैं। अलीबाबा की प्रतिज्ञा एक और प्रमुख चीनी ई-कॉमर्स फर्म, पिंडुओडुओ (पीडीडी) द्वारा देश में ग्रामीण विकास परियोजनाओं के लिए पिछली तिमाही के लिए अपने पूरे लाभ को सौंपने की कसम खाने के ठीक एक हफ्ते बाद आई। यह चीन के कृषि क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए 37.2 करोड़ डॉलर दान करेगा और अन्य कार्यों के लिए 10 अरब युआन (1.5 अरब डॉलर) देने की योजना है। इसी तरह, टेनसेंट ने अगस्त में घोषणा की कि वह बीजिंग के सामान्य समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 50 अरब युआन (7.7 अरब डॉलर) समर्पित करेगा। कंपनी ने कहा कि इसका उद्देश्य अन्य पहलों के साथ-साथ गरीबों के लिए आय बढ़ाने और शिक्षा असमानता को दूर करने में मदद करना है।

सीबीडीटी ने जारी किया 67,401 करोड़ रुपए का रिफंड, 23 लाख टैक्सपेयर्स को होगा फायदा

बिजनेस डेस्क:

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (Central Board of Direct Ta&) ने 1 अप्रैल से 30 अगस्त तक का इनकम टैक्स रिफंड जारी कर दिया है। सीबीडीटी ने 67,401 करोड़ रुपए का इनकम टैक्स रिफंड जारी किया है। इनकम टैक्स विभाग ने शनिवार को अपने ट्विटर हैंडल से इस बात की जानकारी दी है। विभाग ने बताया कि इस अवधि के दौरान ये इनकम टैक्स रिफंड 23.99 लाख टैक्सपेयर्स को जारी किया गया है। इनकम टैक्स विभाग ने अपने ट्विटर हैंडल से पोस्ट करके जानकारी दी कि 1 अप्रैल से 30 अगस्त 2021 तक 22,61,918 मामलों में 16,373 करोड़ रुपए का इनकम टैक्स रिफंड जारी किया गया है, जबकि 1,37,327 मामलों में 51,029 करोड़ रुपए का कॉरपोरेट टैक्स जारी किया गया है।

संकट के समय में तेज है रिफंड वापसी की प्रक्रिया

कोरोना वायरस महामारी के समय करदाताओं के लिए यह बहुत राहत की बात है। मालूम हो कि आयकर विभाग ने कहा था कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आत्मनिर्भर भारत योजना की घोषणा किए जाने के बाद से रिफंड वापसी की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है। करदाता अपने आयकर रिफंड की मौजूदा स्थिति जानने के लिए आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल अथवा एनएसडीएल की वेबसाइट पर जा सकते हैं। हालांकि, रिफंड के लिए आपका खाता पैन से जुड़ा होना जरूरी है। आयकर विभाग ने घोषणा की थी कि एक मार्च 2019 से केवल ई-रिफंड ही जारी किया जाएगा। यह केवल उसी बैंक खाते में जमा होगा जो पैन कार्ड से लिंक है और जिसका विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर पूर्व सत्यापन हो चुका है।

क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत फिर 50,000 डॉलर के पार

मुंबई । दुनिया की सबसे लोकप्रिय और सबसे पुरानी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत फिर 50,000 डॉलर के पार पहुंच गई है। क्रिप्टो एक्सचेंज वजीरएक्स के मुताबिक बिटकॉइन दोपहर बाद पौने दो 1.60 फीसदी की तेजी के साथ 50,126 डॉलर (38,12,082 रुपये) पर ट्रेड कर रही थी। बिटकॉइन की कीमत अप्रैल के मध्य में 65,000 डॉलर के पार निकल गई थी लेकिन इसके बाद इसमें गिरावट दिखाई दी है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम 3.24 फीसदी की तेजी के साथ 3,920 डॉलर (2,97,880.8 रुपये) पर ट्रेड कर रही थी। इसकी कीमत शुक्रवार को कुछ समय के लिए 4,000 डॉलर के पार चली गई थी। मजाक के तौर पर शुरू हुई क्रिप्टो डॉगकॉइन की कीमत में 0.06 फीसदी की मामूली तेजी आई है। इस बीच एफटीएम की कीमत में पिछले 24 घंटे में 35 फीसदी से अधिक तेजी आई है। डिसेंट्रलाइज्ड फाइनेंस और नॉन फंगीबल टोकंस में तेजी तथा संस्थागत निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ने से इस साल क्रिप्टोकरेंसीज की कीमत में तेजी आई है। इसके अलावा ट्विटर इंक अपने टिप जार फीचर में बिटकॉइन टिप्स की अनुमति देने के लिए ग्राउंडवर्क की तैयारी कर रही है। इस बीच मध्य अमेरिकी देश अल साल्वाडोर में 7 सितंबर से बिटकॉइन से संबंधित कानून लागू होगा।

कोविड-19 के टीके पर ट्रिप्स करार से छूट के प्रस्ताव पर जल्द निर्णय चाहता है भारत

नयी दिल्ली, भारत ने कोविड-19 के टीके, चिकित्सा और इलाज के लिए विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में बौद्धिक संपदा अधिकार से संबंधित व्यापार पहलुओं (ट्रिप्स) से छूट के प्रस्ताव पर जल्द निर्णय की वकालत की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को एक बैठक को संबोधित करते हुए खाद्य सुरक्षा के मकसद से सार्वजनिक भंडारण की सीमा के एक स्थायी, बेहतर और समानता वाले समाधान पर जोर दिया। इस बैठक में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) के व्यापार मंत्री भी शामिल हुए। उन्होंने तेजी से बदलती दुनिया में उभरती नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने की भी वकालत की। साथ ही गोयल ने कहा कि डाटा संरक्षण और साइबर सुरक्षा की चुनौतियों का समाधान ढूंढने की जरूरत है। एक बयान में कहा गया है कि गोयल ने खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण के एक स्थायी और समानता वाले समाधान पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि टीके के लिए ट्रिप्स की छूट के प्रस्ताव पर फैसला जल्द होना चाहिए। अक्टूबर, 2020 में भारत और दक्षिण अफ्रीका ने पहला प्रस्ताव देते हुए कहा था कि सभी डब्ल्यूटीओ सदस्यों को ट्रिप्स समझौते के कुछ प्रावधानों के क्रियान्वयन से छूट मिलनी चाहिए। इससे कोविड-19 महामारी की रोकथाम और इलाज में मदद मिलेगी। इस साल मई में भारत, दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया सहित 62 सह-प्रायोजकों ने संशोधित प्रस्ताव दिया था। बौद्धिक संपदा अधिकार के व्यापार पहलुओं पर करार जनवरी, 1995 में लागू हुआ था। यह बौद्धिक संपदा अधिकार...मसलन कॉपीराइट, औद्योगिक डिजाइन, पेटेंट और अघोषित सूचना या व्यापार से संबंधित राज के संरक्षण से संबंधित बहुपक्षीय करार है। गोयल ने इसके साथ ही कहा कि ब्रिक्स देशों को बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

इक्विटी में और तेजी आने की संभावना, लेकिन मूल्यांकन चिंता का विषय

मुंबई।

वैश्विक संकेतों के साथ-साथ घरेलू मैक्रो के कारण लगातार विदेशी पूंजी प्रवाह से आने वाले सप्ताह में भारत के प्रमुख शेयर सूचकांकों में तेजी आने की उम्मीद है। एफपीआई स्वस्थ मैक्रो संख्या और मानसून की बारिश के आधार पर भारत में त्वरित आर्थिक सुधार की उम्मीद हैं। जुलाई के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े अगले शुक्रवार को जारी होने का इंतजार है। हालांकि, बाजार पर्यवेक्षकों ने लाभ बुकिंग की संभावना के साथ उच्च मूल्यांकन का हवाला दिया, जो प्रमुख कारक हैं जो लाभ को कम कर सकते हैं और अस्थिरता को बढ़ा सकते हैं। पिछले हफ्ते, भारत के बेंचमार्क सूचकांकों ने सकारात्मक वैश्विक संकेतों की सहायता से मैक्रो डेटा और एफपीआई प्रवाह को प्रोत्साहित करते हुए मजबूत लाभ दर्ज किया। नतीजतन, एनएसई निफ्टी 50 और एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स दोनों ही सप्ताह के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ। पिछले सप्ताह की तुलना में सेंसेक्स 3.6 प्रतिशत और निफ्टी 3.7 प्रतिशत चढ़ा, यह लगातार दूसरा साप्ताहिक लाभ है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के खुदरा अनुसंधान प्रमुख दीपक जसानी ने कहा, अमेरिकी पेरोल डेटा उम्मीद से काफी कम आया है, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यूएस फेड अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए पर्याप्त प्रोत्साहन प्रदान करता रहेगा। उन्होंने कहा, यह भारत सहित उभरते बाजारों में एफपीआई प्रवाह का समर्थन कर सकता है। निफ्टी 17,153 से समर्थन ले सकता है जबकि 17,480 निकट अवधि में प्रतिरोध के रूप में कार्य कर सकता है। हाल ही में, मजबूत तरलता ने पिछले कुछ सत्रों में एफपीआई के 6,800 करोड़ रुपये के साथ घरेलू बाजार बढ़ा है। जीडीपी, पीएमआई और जीएसटी संग्रह जैसे हालिया डेटा बिंदुओं ने स्वस्थ आर्थिक सुधार का संकेत दिया है।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज प्रमुख विनोद नायर ने कहा, मजबूत घरेलू आर्थिक संख्या मूल्यांकन के इन उच्च स्तरों में भी बाजार में तेजी का समर्थन कर रहा है। घरेलू मोर्चे को एक प्रमुख आर्थिक डेटा - जुलाई के लिए औद्योगिक उत्पादन डेटा जारी होने का इंतजार है।

खाद्य तेल कीमतों पर विदेशी दबाव, दिसंबर से दाम नीचे आने की उम्मीद: खाद्य सचिव

नई दिल्ली:

देश में खुदरा खाद्य तेल की कीमतें नई फसल आने और वैश्विक कीमतों में संभावित गिरावट के साथ दिसंबर से नरम होनी शुरू हो जाएंगी। खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने शुक्रवार को यह कहा। भारत अपनी जरूरत के 60 प्रतिशत खाद्य तेलों का आयात करता हैं। वैश्विक घटनाक्रम के चलते देश में खाद्य तेलों की खुदरा कीमतें पिछले एक वर्ष में 64 प्रतिशत तक बढ़ गई। पांडे ने कहा, ''वायदा बाजार में दिसंबर महीने में डिलीवरी वाले खाद्य तेलों की कीमतों में गिरावट के रुझान को देखते हुए, ऐसा लग रहा है कि खुदरा कीमतों में गिरावट शुरू हो जाएगी लेकिन इसमें कोई नाटकीय गिरावट नहीं होगी क्योंकि वैश्विक दबाव तो बना रहेगा।%% उन्होंने कहा कि नई फसलों की आवक और वैश्विक कीमतों में संभावित गिरावट से खाद्य तेलों की खुदरा कीमतों में नरमी आने में मदद मिलेगी। घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में तेज वृद्धि की वजह बताते हुए सचिव ने कहा कि एक प्रमुख कारण यह है कि कई देश अपने खुद के संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए जैव ईंधन नीति को आक्रमक ढंग से आगे बढ़ा रहे हैं इससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमतें बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए, मलेशिया और इंडोनेशिया, जो भारत को पामतेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता देश हैं, अपनी जैव ईंधन नीति के लिए पामतेल का उपयोग कर रहे हैं। इसी तरह अमेरिका भी सोयाबीन का जैव ईंधन बनाने में इस्तेमाल कर रहा है। भारत में ज्यादातर पामतेल और सोयाबीन तेल का प्रमुखता से आयात किया जाता हैं। भारतीय बाजार में पाम तेल की हिस्सेदारी करीब 30-31 प्रतिशत जबकि सोयाबीन तेल की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत तक है। ऐसे में विदेशों में दाम बढ़ने का असर घरेलू बाजार पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह सोयाबीन तेल की वैश्विक कीमतों में 22 प्रतिशत और पाम तेल में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, लेकिन भारतीय बाजार पर इसका प्रभाव दो प्रतिशत से भी कम रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने खुदरा बाजारों में कीमतों को स्थिर रखने के लिए अन्य कदमों के अलावा आयात शुल्क में कटौती जैसे कई अन्य उपाय किए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, तीन सितंबर को पाम तेल की खुदरा कीमत 64 प्रतिशत बढ़कर 139 रुपए हो गई जो एक साल पहले 85 रुपए प्रति किलोग्राम थी। इसी तरह, सोयाबीन तेल का खुदरा मूल्य 51.21 प्रतिशत बढ़कर 155 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया जो पहले 102.5 रुपए प्रति किलोग्राम था, जबकि सूरजमुखी तेल का खुदरा मूल्य 46 प्रतिशत बढ़कर 175 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया जो एक साल पहले 120 रुपए प्रति किलो था। खुदरा बाजारों में सरसों तेल की कीमत तीन सितंबर को 46 प्रतिशत बढ़कर 175 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 120 रुपए प्रति किलोग्राम थी। मूंगफली तेल 26.22 प्रतिशत बढ़कर 180 रुपए प्रति किलो हो गया। एक साल पहले यह 142.6 रुपए प्रति किलो पर था। सचिव ने कहा, ''हालांकि सरसों का उत्पादन बढ़ा है, फिर भी अन्य खाद्य तेलों से संकेत लेकर कीमतों में बढ़ोतरी हुई है।%% साफ्टा समझौते के तहत नेपाल और बांग्लादेश के रास्ते किसी तीसरे देश के तेल को यहां लाने के बारे में उन्होंने कहा, ''यह चिंता उठाई गई है और इस मामले को दोनों ही देशों के समक्ष उठाया गया है।%% सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के आंकड़ों के अनुसार, देश में नवंबर 2020 और जुलाई 2021 के बीच 93,70,147 टन खाद्य तेल का आयात किया।

भारती एक्सा- आईसीआईसीआई लोम्बार्ड सौदे को मिली अंतिम मंजूरी, बीमा नियामक ने दिखाई हरी झंडी

ICICI Lombard GENERAL INSURANCE
bharti AXA

नई दिल्ली:

आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि बीमा क्षेत्र के नियामक इरडई ने भारती एक्सा जनरल इंश्योरेंस के साधारण बीमा कारोबार को उससे अलग कर उसके साथ मिलाने की योजना को अंतिम मंजूरी दे दी है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने नियामकीय सूचना में कहा है, ''इस संबंध में कंपनी को तीन सितंबर 2021 को बीमा क्षेत्र के नियामक इरडई से प्रस्तावित योजना को लेकर अंतिम मंजूरी का पत्र प्राप्त हुआ है।'' इस योजना के लिए प्रभावी तिथि एक अप्रैल 2020 रखी गई थी। बीमा कंपनी ने कहा है, ''साधारण बीमा व्यवसाय को अलग करने और उसके हस्तांतरण की अंतिम मंजूरी मिलने की तारीख से तीन दिन के भीतर सौदा प्रभावी हो जाएगा जैसा की योजना में कहा गया था।'' कंपनी ने यह भी कहा है कि भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडई) ने आईसीआईसीआई बैंक को आईसीआईसीआई लोम्बार्ड में अपनी हिस्सेदारी कम करके 30 प्रतिशत पर लाने को भी मंजूरी दे दी है। हालांकि यह काम बीमा कानून 1938 के अनुपालन और जरूरी नियमनों पर निर्भर होगा। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने पिछले साल भारती एंटरप्राइजिज द्वारा प्रवर्तित भारती एक्सा जनरल इंश्योरेंस के अधिग्रहण का पक्का समझौता किया था। यह सौदा पूरी तरह से शेयरों के लेनदेन से किया जाना है। दोनों कंपनियों के निदेशक मंडलों द्वारा स्वीकार किए गए शेयर अदला-बदली फार्मूले के मुताबिक भारती एक्सा के शेयरधारकों को उनके प्रत्येक 115 शेयरों के लिए आईसीआईसीआई लोम्बार्ड के दो शेयर मिलेंगे। वर्तमान में भारती एंटरप्राजिज के पास भारत एक्सा जनरल इंश्योरेंस की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि शेष 49 प्रतिशत फ्रांस की बीमा कंपनी एक्सा के पास है। अलग होने के बाद भारती एक्सा जनरल इश्योरेंस कंपनी नहीं रह जाएगी और भारती एंटरप्राइजिज और एक्सा दोनों ही गैर-जीवन बीमा कारोबार से बाहर हो जाएंगी।

घाटे में जोमैटो, कारोबार समेटनी के तैयारी में कंपनी

बिजनेस डेस्क:

ऑनलाइन फूड डिलिवरी के लिए जोमैटो कंपनी बड़ी मशहूर कंपनी है। लेकिन इसी बीच जोमैटो ने ब्रिटेन और सिंगापुर से अपने कारोबार को समेटने की खबरें सामनें आईं हैं।भारतीय शेयर बाजार को भी जोमैटो ने इस बात की जानकारी दे दी है। मिली जानकारी के लिए मुताबिक जोमैटो ने ब्रिटेन में सब्सिडरी जोमैटो यूके लिमिटेड (जेडयूके) और सिंगापुर में जोमैटो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड (जेडएमपीएल) के कारोबार को समेट लिया है।

कारोबार पर नहीं पड़ेगा कोई असर

जोमैटो ने अपने बयान में बताया कि ब्रिटेन और सिंगापुर की सहायक कंपनियों उसके व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण नहीं थीं। इनके बंद होने से जोमैटो के कारोबार या राजस्व पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कंपनी ने अगस्त में अपनी अमेरिकी सहायक कंपनी को बंद कर दिया था। वहीं, नेक्स्टेबल इंक में अपनी हिस्सेदारी 100,000 डॉलर में बेच दी थी।

जोमैटो को 360.7 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ

बता दें कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जोमैटो को 360.7 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ है। बीते दिनों कंपनी ने बताया था कि तिमाही में कंपनी का कुल खर्च भी बढ़ा है और ये अब 1,259.7 करोड़ रुपए हो गया है।

सुपरटेक उच्चतम न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करेगी: चेयरमैन आर के अरोड़ा

नई दिल्ली:

रियल्टी कंपनी सुपरटेक लिमिटेड ने शनिवार को कहा कि वह नोएडा में उसके दो 40 मंजिला टावरों को गिराने के उच्चतम न्यायालय के आदेश के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करेगी। उसने साथ ही कहा कि इन इमारतों का निर्माण सक्षम प्राधिकरण की मंजूरी के साथ उपनियमों के अनुरूप किया गया था। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते, शीर्ष अदालत ने दो 40 मंजिला टावरों को गिराने करने का आदेश दिया था। ये टावर उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्थित सुपरटेक की एमेराल्ड कोर्ट परियोजना का हिस्सा हैं। कंपनी के चेयरमैन आर के अरोड़ा ने कहा, हम माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का सम्मान करते हैं लेकिन हमने पुनर्विचार याचिका के साथ इस मामले को दोबारा उठाने का फैसला किया है क्योंकि इन टावरों का निर्माण भवन उपनियमों के अनुरूप सक्षम प्राधिकरण की मंजूरी के साथ किया गया था। उन्होंने एक बयान में कहा कि एपेक्स और सियेन टावर कंपनी की किसी भी मौजूदा परियोजना से जुड़े नहीं हैं और ना ही उनका हिस्सा हैं। अरोड़ा ने कहा कि सुपरटेक समूह अपनी परियोजनाओं के तहत 10 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में निर्माण कर रहा है, जबकि एपेक्स और सियेन टावर केवल छह लाख वर्ग फुट क्षेत्र में आते हैं जो कुल पोर्टफोलियो का 0.6 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के 2014 के फैसले के बाद हमने इस परियोजना से जुड़े ज्यादा ग्राहकों को पहले ही रिफंड कर दिया है- हम आगे दिए गए आदेश के अनुसार माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करेंगे। शीर्ष अदालत की न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के टावरों को गिराने के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा था कि टावरों का निर्माण नोएडा विकास प्राधिकरण की मिलीभगत से किया गया और उच्च न्यायालय का फैसला वाजिब है।

एफएसएसएआई ने ई-कॉमर्स कंपनियों को निर्देश, कहा- डेयरी उत्पाद के लेवल के साथ न बेचें नॉन-डेयरी प्रोडक्टस

नई दिल्ली:

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं नियामक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने ई-कॉमर्स कंपनियों को ऐसे गैर-डेयरी और 'पौधों से बनने वाले पेय पदार्थ% को अपने मंच से हटाने का निर्देश दिया है जिन्हें डेयरी उत्पाद के लेबल के साथ बेचा जा रहा है। एफएसएसएआई ने राज्यों को पौधों से बनने वाले पेय और खाद्य उत्पादों के लिए डेयरी लेबल के इस्तेमाल की जांच का भी निर्देश दिया है।

नियामक ने कहा, ''चूंकि ई-कॉमर्स खाद्य कारोबार परिचालकों (एफबीओ) द्वारा काफी उत्पाद बेचे जाते हैं, ऐसे में सभी ई-कॉमर्स कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे उत्पादों को अपने मंच से हटाएं जिन्हें डेयरी उत्पाद के नाम से बेचा जा रहा है। यह डेयरी उत्पाद से संबंधित नियामकीय प्रावधानों का उल्लंघन है।÷ एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस तरह के उत्पाद की बिक्री की अनुमति नहीं दी जाएगी। एफएसएसएआई ने राज्यों के खाद्य सुरक्षा विभागों को निर्देश दिया है कि वे एफबीओ द्वारा बेचे जाने वाले ऐसे गैर-डेयरी और पौधों से बनने वाले पेय पदार्थों की पहचान और जांच करें जिनकी बिक्री डेयरी शब्दावली का उल्लंघन कर की जा रही है। नियामक ने कहा है कि यदि एफबीओ द्वारा उत्पाद लेबल का उल्लंघन कर कोई सामान बेचा जा रहा है, तो उन्हें इसमें संशोधन के लिए 15 दिन का समय मिलेगा। एफएसएसएआई ने कहा कि इन कदमों से खाद्य एवं सुरक्षा अधिनियम-2005 का उल्लंघन करने वाले एफबीओ के खिलाफ उचित प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित हो सकेगी।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पैरालंपिक समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी निशानेबाज अवनि लेखरा

टोक्यो। निशानेबाज अवनि लेखरा टोक्यो पैरालंपिक के समापन समारोह के दौरान भारतीय दल की ध्वजवाहक होंगी। इस 19 साल की निशानेबाज ने 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशन एसएच1 कांस्य पदक जीतने से पहले सोमवार को महिलाओं की आर-2 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के एक अधिकारी ने बताया कि अवनी ध्वजवाहक होंगी और समापन समारोह के दौरान भारतीय दल में 11 प्रतिभागी होंगे। जयपुर की 19 साल की निशानेबाज को 2012 में हुई कार दुर्घटना में रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई थी, जिसके बाद से उनके शरीर का निचला हिस्सा लकवाग्रस्त है।लेखरा खेलों के एक संस्करण में कई पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। उनसे पहले जोगिंदर सिंह सोढ़ी खेलों के एक ही चरण में कई पदक जीतने वाले पहले भारतीय थे। उन्होंने 1984 पैरालंपिक में एक रजत और दो कांस्य पदक जीते थे। मौजूदा खेलों में निशानेबाज सिंहराज अडाना भी इस सूची में शामिल हो गए। उन्होंने रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। पैरालंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में 24 अगस्त को गोला फेंक के एथलीट टेक चंद भारतीय ध्वजवाहक बने थे।

पैरालंपिक (बैडमिंटन) : भगत ने जीता स्वर्ण, मनोज को मिला कांस्य

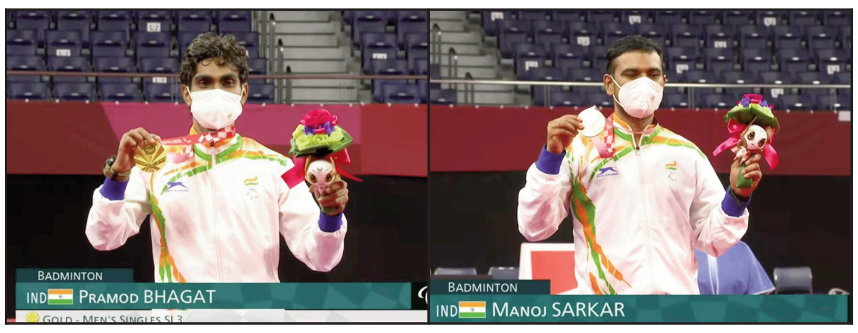

टोक्यो।

भारत के प्रमोद भगत और मनोज सरकार ने यहां जारी टोक्यो पैरालंपिक में पुरुष एकल एसएल3 बैडमिंटन इवेंट में क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रमोद ने ग्रेट ब्रिटेन के डेनियल बाथेल को 2-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भगत बैडमिंटन में ओलंपिक या पैरालंपिक में स्वर्ण लाने वाले देश के पहले एथलीट हैं। भुवनेश्वर के 33 वर्षीय भगत ने बाथेल को 21-14, 21-17 से हराकर पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीता। स्वर्ण जीतते ही भगत खुशी से उछल पड़े। इसके साथ ही भारत ने इस पैरालंपिक में अपना चौथा स्वर्ण पदक जीता। पीवी सिंधु ने 2016 रियो ओलंपिक में रजत जबकि पिछले महीने हुए टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। विश्व के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी भगत एसएल3 के गत विश्व चैंपियन हैं। उन्होंने यह खिताब बासेल में बाथेल को ही हराकर जीता था। इससे पहले, भगत ने सेमीफाइनल में जापान के फुजिहारा दाएसुके को हराया था। इस बीच, मनोज ने जापान के फुजिहारा को 2-0 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। मनोज ने कांस्य पदक मुकाबले में फुजिहारा को 47 मिनट तक चले मुकाबले में 22-20, 21-13 से हराया। मनोज को पहला गेम जीतने के लिए कुछ मेहनत करनी पड़ी और उन्हें फुजिहारा ने कड़ी चुनौती दी। लेकिन मनोज ने दूसरा गेम आराम से अपने नाम किया।इससे पहले, मनोज को एसएल 3 के सेमीफाइनल में बाथेल के हाथों हार का सामना करना पड़ा था और वह स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर हो गए थे। भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में अबतक चार स्वर्ण, सात रजत और छह कांस्य पदक के साथ कुल 17 पदक अपने नाम किए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी, बिंद्रा और सहवाग ने पैरा निशानेबाजों की सराहना की

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ओलंपिक में व्यक्गित वर्ग में पहली बार स्वर्ण पदक जीतने वाले निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने पैरा निशानेबाजों मनीष नरवाल और सिंहराज को टोक्यो पैरालंपिक के पी4 मिक्सड 50 मीटर पिस्टल एसएच1 में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीतने पर अपनी शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा, टोक्यो पैरालंपिक में पदक लाने का सिलसिला जारी है। युवा और शानदार प्रतिभावान मनीष नरवाल की शानदार उपलब्धि। उनका स्वर्ण पदक जीतना भारतीय खेलों के लिए एक विशेष क्षण है। उन्हें बधाई और आने वाले समय के लिए शुभकामनाएं। सिंहराज के लिए मोदी ने कहा, सिंहराज ने एक बार फिर कमाल किया। उन्होंने एक और पदक अपने नाम किया और इस बार उन्होंने मिक्सड 50 मीटर पिस्टल एसएच1 में पदक जीता। उनकी उपलब्धि के कारण भारत को जश्न मनाने का मौका मिला। सिंहराज को बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं। 2008 बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक लाने वाले बिंद्रा ने ट्वीट कर कहा, एक राष्ट्र के रूप में हम अपनी पैरालंपिक टीम और चैंपियन को सबसे बड़ा उपहार दे सकते हैं।

इस क्षण का उपयोग हमारे देश में दिव्यांग लोगों को और अधिक समावेशी बनाने के तरीके के रूप में करना है। यह खेल की शक्ति पर लाभकारी प्रभाव डालने वाला होगा। उन्होंने कहा, भारत के दो पदक। यह सपनों के समान है। मनीष ने पैरालंपिक में रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण और सिंघराज ने टोक्यो में अपना दूसरा पदक जीता। दोनों को बहुत बधाई। हमें आप पर गर्व है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने ट्वीट कर कहा, दो भारतीयों को स्वर्ण और रजत दोनों जीतते हुए देखना कितना अद्भुत क्षण है। 19 साल के मनीष ने स्वर्ण और सिंहराज को रजत मिला। कुल 15 पदक आए है। भारतीय टीम ने पैरालंपिक में शानदार प्रदर्शन किया है।

खेल मंत्री ने टोक्यो पैरालंपिक में रजत पदक जीतने पर मरियप्पन को सम्मानित किया

नई दिल्ली । खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने टोक्यो पैरालम्पिक के रजत पदक विजेता ऊंची कूद के खिलाड़ी मरियप्पन थंगावेलु को सम्मानित किया, जो स्वर्ण नहीं जीत पाने से निराश थे। 5 साल पहले रियो ओलिम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले मरियप्पन ने इस बार टी-42 वर्ग में 1.86 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक जीता। इस स्पर्धा में एक भारतीय, शरद कुमार ने 1.83 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ कांस्य पदक जीता। ठाकुर ने कहा कि मरिय्यपन ने रियो और अब टोक्यो में अपने प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है। मैं उन्हें बधाई देता हूं। मैं इस अवसर पर हमारे सभी पैरा खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूं। इस मौके पर मरियप्पन ने कहा कि मुझे भारत के लिए स्वर्ण जीतने की उम्मीद की थी, लेकिन आयोजन के दिन मौसम अच्छा नहीं था, जिस कारण मैं उस सपने को पूरा नहीं कर सका। मुझे विश्वास है कि मैं पेरिस में फिर से देश के लिए स्वर्ण पदक जीतूंगा। टी-42 वर्ग में उन खिलाडियों को रखा जाता है जिनके पैर में समस्या है, पैर की लंबाई में अंतर है, मांसपेशियों की ताकत और पैर की मूवमेंट में समस्या हो। इस वर्ग में खिलाड़ी खड़े होकर प्रतिस्पर्धा पेश करते हैं।

पैरालंपिक (निशानेबाजी) : मनीष ने जीता स्वर्ण, सिंहराज को मिला रजत

टोक्यो।

टोक्यो पारालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। यहां पी4 मिक्स्ड 50 मीटर पिस्टल एसएच1 में मनीष नरवाल ने स्वर्ण पदक और सिंहराज अदाना ने रजत पदक जीतकर देश का नाम ऊंचा किया है।मनीष ने 218 का स्कोर हासिल कर पहला स्थान हासिल किया। वहीं सिंहराज ने 216.7 के स्कोर के साथ रजत पदक अपने नाम किया। रूस पैरालंपिक समिति (आरपीसी) के सर्गे मालिशेव ने 196.8 का स्कोर कर कांस्य पदक जीता। सिंहराज इससे पहले 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीत चुके हैं। मनीष और सिंहराज के पदक जीतने के साथ ही भारत ने इस पैरालंपिक में अबतक 15 पदक अपने नाम कर लिए हैं। 19 वर्षीष मनीष सातवें और सिंहराज क्वालीफिकेशन में चौथे स्थान पर थे। लेकिन इन दोनों निशानेबाजों ने फाइनल में बेहतरीन शॉट लगाया और शीर्ष दो स्थान पर अपना कब्जा जमाया। मनीष ने फाइनल में विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया।मनीष और सिंहराज ने जिआओलोंग और यांग चाओ की चीनी जोड़ी को चौथी सीरीज में पछाड़ा। चीनी निशानेबाजों ने क्रमशः 7.5 और 8.7 का शूट किया। मालिशेव ने 21वें टर्न में 6.9 का स्कोर किया और मनीष ने 10 तथा सिंहराज ने 9.2 का स्कोर कर शीर्ष दो स्थान पर कब्जा जमाया। भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में अबतक तीन स्वर्ण, सात रजत और पांच कांस्य पदक सहित कुल 15 पदक अपने नाम कर लिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

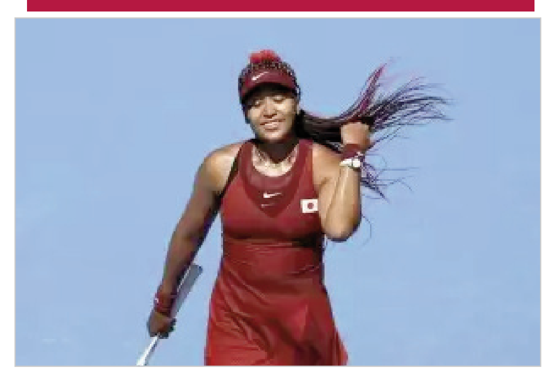

टेनिस से ब्रेक ले सकती हैं ओसाका

न्यूयॉर्क। विश्व की नंबर-3 खिलाड़ी जापान की नाओमी ओसाका ने यूएस ओपन के तीसरे दौर में कनाडा की लिलाह फर्नाडोज के खिलाफ मिली हार के बाद कहा कि उन्हें नहीं पता वह कब अपना अगला मैच खेलेंगी। 23 वर्षीय ओसाका यूएस ओपन में इस वर्ष गत विजेता के रूप में उतरी थीं लेकिन फर्नाडिज ने उन्हें 5-7, 7-6(2), 6-4 से हराकर उनका अभियान समाप्त कर दिया। ओसाका ने कहा, हाल के दिनों में जब मैं जीत जाती हूं तो मुझे अच्छा महसूस नहीं होता। मुझे राहत मिलती है। लेकिन जब मैं हारती हूं तो दुखी हो जाती हूं। मुझे नहीं लगता यह सामान्य है। डब्ल्यूटीएटेनिस डॉट कॉम ने लिखा, जब यूएस ओपन के मॉडरेटर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म करने की पेशकश की, तो ओसाका ने मना कर दिया। ओसाका ने कहा, यह बयां करना बहुत कठिन है। मूल रूप से मुझे ऐसा लगता है कि मैं इस बिंदु पर एक तरह की हूं जहां मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रही हूं कि मैं क्या करना चाहती हूं और मैं ईमानदारी से नहीं जानती कि मैं अपना अगला टेनिस मैच कब खेलने जा रही हूं। मुझे लगता है कि मैं कुछ समय के लिए खेलने से ब्रेक लेने जा रही हूं। ओसाका इस साल मई में मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देकर फ्रेंच ओपन से हट गई थीं। इसके बाद वह विंबलडन में भी नहीं खेली थीं और उन्होंने जुलाई मे टोक्यो ओलंपिक से वापसी की थी। ओलंपिक के बाद यूएस ओपन ओसाका का दूसरा टूर्नामेंट है। इससे पहले वह दो सप्ताह पहले वेस्टर्न एंड सर्दन ओपन में उतरी थीं।

रोहित शर्मा ने हासिल किया बड़ा मुकाम, सचिन-द्रविड़ जैसे दिग्गजों की सूची में दर्ज कराया नाम

नई दिल्ली. टीम इंडिया के प्रतिभा संपन्न खिलाड़ी ओपनर रोहित शर्मा का बल्ला इन दिनों रनों की बारिश कर रहा है। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में भी रोहित का बल्ला रन उगल रहा है। रोहित शर्मा अब भारत के टॉप टेस्ट रैंकिंग वाले बल्लेबाज भी बन चुके हैं। वैसे ओवल टेस्ट के दूसरे दिन रोहित शर्मा ने एक बड़ा मुकाम हासिल किया। रोहित शर्मा ने शुक्रवार को अपने 15 हजार इंटरनेशनल रन पूरे कर लिए। रोहित शर्मा ये कारनामा करने वाले 8वें भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले सचिन, द्रविड़, विराट कोहली, सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी, वीरेंद्र सहवाग और मोहम्मद अजहरुद्दीन 15 हजार से ज्यादा इंटरनेशनल रन बना चुके हैं। रोहित शर्मा ने 397वीं पारी में 15 हजार इंटरनेशनल रन पूरे किए। वो इस सूची में 5वें नंबर पर हैं। विराट कोहली ने महज 333 पारियों में 15 हजार रन पूरे किए थे। वहीं सचिन को कुल 356 पारियां लगी थी। रोहित शर्मा का टेस्ट करियर भी उनके वनडे करियर की तरह बदल चुका है। साल 2013 में जब रोहित शर्मा ओपनर बने थे तो उन्होंने धमाकेदार प्रदर्शन कर 3 दोहरे शतक ठोके। वर्ल्ड कप 2019 में भी रोहित शर्मा का बल्ला शतक पर शतक लगाता चला गया। अब रोहित शर्मा जब से टेस्ट ओपनर बने हैं उन्होंने इस फॉर्मेट में भी अपना जलवा दिखाना शुरू कर दिया है। रोहित शर्मा आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में अब विराट कोहली को भी पछाड़ चुके हैं।

स्पेनिश युवा अलकाराज ने दुनिया के नंबर तीन खिलाड़ी सिटसिपास को हराया

न्यूयॉर्क।

राफेल नडाल के वारिस कहे जा रहे स्पेन के 18 वर्ष के कार्लोस अलकारेज ने अपनी प्रतिभा की बानगी पेश करते हुए अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी स्टेफानोस सिटसिपास को हराकर उलटफेर कर दिया। अलकारेज ने चार घंटे तक चला मुकाबला 6.3, 4.6, 7.6, 0.6, 7.6 से जीता। वह 1989 के बाद से अमेरिकी ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले सबसे युवा पुरूष खिलाड़ी बन गए। पीट सम्प्रास और माइकल चांग ने 1989 में यह कमाल किया था। अमेरिकी ओपन में इस साल पूरी तादाद में जमा दर्शकों ने 'लेट्स गो कार्लोस% के नारे लगाकर उनकी हौसलाअफजाई की। इससे पहले गारबाइन मुगुरूजा, सिमोना हालेप और एंजेलिक करबर तीसरे दौर में जीत गई। मुगुरूजा ने तीन बार की उपविजेता विक्टोरिया अजारेंका को 6.4, 3.6, 6.2 से हराया। अब उनका सामना फ्रेंच ओपन चैम्पियन बारबोरा क्रेइसिकोवा से होगा। पांच साल पहले यहां खिताब जीतने वाली करबर ने 2017 की चैम्पियन स्लोएने स्टीफेंस को 5 . 7, 6 . 2, 6 . 3 से मात दी। हालेप ने एलेना रिबाकिना को 7.6, 4.6, 6.3 से हराया।

शैफाली वर्मा को गेंदबाजी करना अच्छी चुनौती : सदरलैंड

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड का मानना है कि भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा के खिलाफ गेंदबाजी करना अच्छी चुनौती होगी। सदरलैंड ने कहा कि अगर उन्हें नई गेंद से गेंदबाजी करने के लिए कहा जाएगा तो वह इसके लिए तैयार हैं। सदरलैंड ने कहा, टीम में डार्सी ब्राउन, स्टेला कैंपबेल और टेयला वलाएमिंक के रूप में कई तेज गेंदबाज हैं। हमारे पास अच्छा तेज गेंदबाजी आक्रमण है। जो भी नई गेंद से गेंदबाजी करेगा इसमें कोई शक नहीं कि वह बेहतर करेगा। उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन नई गेंद से शुरूआत करेगा क्योंकि टीम का गेंदबाजी आक्रमण अच्छा है। मेरे ख्याल से शैफाली के खिलाफ गेंदबाजी करना एक अच्छी चुनौती है। सदरलैंड न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी मिनट में सीरीज से हट गई थीं और अब उनकी टीम में वापसी हुई है। सदरलैंड ने कहा, यह मेरी दूसरी पूरे प्रारूप की सीरीज होगी जिसमें मैं फिट और मजबूत रहने की कोशिश करूंगी। मैं कुछ चीजों पर काम कर रही हूं। ओवरऑल मैं मजबूत हूं और मैं ऐसा करना जारी रखूंगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच सभी प्रारूपों की सीरीज वनडे से शुरू होगी और इसका पहला मुकाबला 21 सितंबर को खेला जाएगा।

चेन्नईयिन एफसी ने हंगरी के कोमान को शामिल किया

चेन्नई :

दो बार की इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) चैम्पियन चेन्नईयिन एफसी नेशनिवार को हंगरी के मिडफील्डर व्लादिमीर कोमान से एक सत्र का करार करने की घोषणा की। हंगरी का अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी क्लब से करार करने वाला छठा और अंतिम विदेशी खिलाड़ी है। कोमान ने कहा- मैं चेन्नईयिन से जुड़कर खुश हूं क्योंकि यह मेरे लिये पूरी तरह से नया माहौल है और यह नया अनुभव भी होगा। मैं टीम को सफलता दिलाने में मदद के लिये अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहूंगा और अपने दर्शकों को खुश करूंगा और गर्व महसूस कराऊंगा।

यूएस ओपन : कार्लोस ने सितसिपास को हराकर चौथे दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क।

स्पेन के कार्लोस एल्काराज ने बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को हराकर यहां चल रहे यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बनाई। 18 वर्षीय कार्लोस ने सितसिपास को 6-3, 4-6, 7-6(2), 0-6, 7-6(5) से हराकर चौथे राउंड में प्रवेश किया। इसके साथ ही वह 1992 के बाद पहले ऐसे युवा खिलाड़ी बने जिन्होंने किसी बड़े टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बनाई है। कार्लोस माइकल चांग के बाद पहले ऐसे युवा खिलाड़ी हैं जिन्होंने शीर्ष-3 के खिलाड़ी को बड़े टूर्नामेंट में मात दी है। इससे पहले माइकल ने 17 साल की उम्र में 1989 में फ्रेंच ओपन में नंबर-1 इवान लेंडल और विश्व के तीसरे नंबर के खिलाफ स्टेफान एडबर्ग को हराया था। कार्लोस ने इससे पहले इस साल फरवरी में ग्रेट ओसियन रोड ओपन में विश्व के 14वें नंबर के खिलाड़ी बेल्जियम के डेविड गोफिन को हराया था। कार्लोस का अब क्वालीफायर पीटर गोजोवकिजक से मुकाबला जिन्होंने हेनरी लाकसोनेन को 3-6, 6-3, 6-1, 6-4 से हराया।कार्लोस ने कहा, यह जीत मेरे लिए बहुत मायने रखती है। यह मेरे करियर का सर्वश्रेष्ठ मैच है। सितसिपास को हराना सपना सच होने जैसा है। सितसिपास पहली बार यूएस ओपन के चौथे दौर में पहुंचने का लक्ष्य बनाकर उतरे थे। उन्होंने पहले राउंड में ब्रिटेन के एंडी मरे को मात दी थी। लेकिन तीसरे दौर में उनका सफर समाप्त हो गया। सितसिपास टोरंटो और सिनसिनाटी के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। इससे पहले, इस साल 23 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब मोंटे कार्लो में जीता था और पहली बार रोलां गैरों के फाइनल में जगह बनाई थी।

बेन स्टोक्स टी20 विश्व से रह सकते हैं बाहर

लंदन। इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स अक्टूबर-नवंबर में यूएई और ओमान में होने वाले टी20 विश्व कप से बाहर रह सकते हैं। स्टोक्स जुलाई से क्रिकेट के सभी प्रारूपों से दूर हैं क्योंकि वह अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहते हैं। स्टोक्स भारत के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का भी हिस्सा नहीं है और वह 19 सितंबर से शुरू हो रहे आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में भी शामिल नहीं होंगे। राजस्थान रॉयल्स ने स्टोक्स के रिप्लेसमेंट के तौर पर वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज ओशाने थॉमस को टीम में शामिल किया है। डेली मेल में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, स्टोक्स अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में शामिल होने क्या दुबई के लिए रवाना होंगे यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, उनके करीबी सूत्रों ने बताया है कि वह फिलहाल क्रिकेट के बारे में नहीं सोच रहे हैं। टी20 विश्व के लिए खिलाड़ियों के नाम की घोषणा करने की अंतिम तीथि 10 सितंबर है और इंग्लैंड के चयनकर्ता इस सप्ताह 15 सदस्यीय खिलाड़ी और तीन रिजर्व खिलाड़ियों के नाम घोषित करने को लेकर बैठक कर सकता है। टीम के बारे में घोषणा नौ सितंबर तक हो सकती है।

बाल कहानी

लंगड़ू लोमड़

■ मीनू गुप्ता

नंदनपुर जंगल में चार दोस्त रहा करते थे-हीरा तोता, चमकू गिलहरी, राजू बंदर और कुक्कू चिड़यिा। चारों में बहुत गहरी दोस्ती थी। हीरा कभी मीठे अमरूद या सेब कहीं पा जाता तो वह राजू बंदर और कुक्कू के साथ मिल-बांटकर खाता। गिलहरी भी कहीं से अखरोट लाती तो आते ही उसे राजू बंदर को देती। राजू बंदर उसे तोड़कर सब में बराबर बांट देता। ऐसा ही दूसरे दोस्त भी करते थे।

चारों दोस्त एक-दूसरे का पूरा ध्यान रखते थे। कभी कोई बीमार हो जाता, दूसरा उसके बच्चों का ध्यान रखता। उसकी दवा लाता और उसके खाने-पीने का सामान भी लाता। जंगल का राजा शेर भी उनका पूरा सम्मान करता था। वह अपने बच्चों को उनके पास भेजता, जिससे वह उनसे कुछ अच्छी बातें सीख सकें। यही हाल हाथी दादा का था। वह उन चारों की दोस्ती से खूब खुश होते। कभी-कभी तो उन्हें अपनी पीठ पर बैठाकर जंगल की सैर करा लाते। उनकी दोस्ती जंगल के लंगड़ू लोमड़ को अच्छी नहीं लगती थी। जब वह चारों को एक साथ खेलता देखता तो उसके मन में एक ही भावना आती कि कैसे भी इन्हें आपस में लड़ा दे।

एक दिन चारों दोस्त जंगल में घूम रहे थे। तभी उन्हें तालाब के पास अमरूद के कई पेड़ दिखाई दिए। इन पर खूब अमरूद लदे थे। कई गिलहरियां इस डाल से उस डाल पर फुदक रही थीं। हीरा तोते ने जब अमरूद देखे तो उसके मुंह में पानी आ गया। उसने अपने साथियों से कहा कि चलो हम भी चलकर इन अमरूदों का आनंद लें। हीरा के तीनों दोस्तों ने कहा कि किसी के बाग में बिना पूछे जाना अच्छी बात नहीं है।

हीरा ने कहा कि हम रोज थोड़े ही जाते हैं? और जो गिलहरियां यहां हैं, उनसे पूछकर ही तो जाएंगे। हीरा तोते की बात सभी दोस्तों को जम गई। चारों साथी वहां जा पहुंचे। बाहर खेल रही गिलहरियों ने वहां तोता, चिड़यिा, बंदर को देखकर पूछा, आप लोग यहां क्यों आए हैं?

हीरा तोते ने कहा, हम जंगल में घूम रहे थे। यहां आए तो देखा कि आपके बाग में अमरूद लगे हैं। आप अगर नाराज न हों तो हम भी थोड़े-से अमरूद ले लें? मीठे अमरूद देखकर उसका मन ललचाने लगा। गिलहरियों ने हीरा तोते की बात पर आपस में चर्चा की। फिर उन्हें अमरूद लेने की अनुमति दे दी। चारों दोस्तों ने पहले तो पेट भरकर अमरूद खाए। बाद में थोड़े-से घर के लिए भी ले लिए।

चलते वक्त सभी ने गिलहरियों को धन्यवाद दिया। घर आकर सभी ने अमरूदों को नीम के पेड़ के कोटर में रख दिया। फिर अपने काम में लग गए। जब वे अमरूद रख रहे थे तो उन्हें चोरी से लंगड़ लोमड़ देख रहा था। उसने उनके जाने के बाद आधे अमरूद निकाल लिए। दूसरे दिन चारों दोस्तों ने अमरूद खाने के लिए निकाले तो देखकर दंग रह गए। यहां पर तो आधे अमरूद थे ही नहीं। सभी एक-दूसरे को देखने लगे। सभी ने एक-दूसरे से पूछा। पर जब किसी ने लिए हों तब तो हां करता। सभी ने अमरूद लेने से मना कर दिया, फिर एक-दूसरे से जोर-जोर से बोलने लगे।

लंगड़ू लोमड़ पहले से ही इस इंतजार में था कि उन चारों में झगड़ा हो तो वह उसका मजा ले। उसने उनसे पूछा, अरे कुक्कू क्या हो गया? क्यों झगड़ रहे हो? कुछ नहीं लंगड़ू लोमड़। कुक्कू ने बात टालनी चाही। नहीं कोई बात तो है, जो तुम चारों लड़ रहे हो? पहले तो मैंने तुम्हें कभी लड़ते नहीं देखा?

अब चमकू गिलहरी ने कहा, लंगड़ू लोमड़ बात यह है कि हमने कल इस पेड़ के कोटर में अमरूद रखे थे। पर आज आधे हैं ही नहीं। लंगड़ू लोमड़ ने बनावटी गंभीरता से पूछा, पक्का यहीं रखे थे? हां, हां यहीं रखे थे। दोस्तों को भिड़ाने की चाल से लंगड़ू लोमड़ ने राजू बंदर की ओर देखकर कहा, राजू, तुमने तो अमरूद नहीं निकाल लिए?

नहीं, मैं क्यों निकालता। हम सभी तो लाए थे एक साथ। फिर वह नाराज होने लगा। नहीं-नहीं, मैं तो ऐसे ही पूछ रहा था। कह कर वह मौका देखकर वहां से खिसक लिया। उसके मन की बात हो गई थी। लंगड़ू लोमड़ की बात सुनकर सभी एक-दूसरे पर शक करके झगड़ने लगे। थोड़ी देर में वहां से जंगल के राजा शेर का बेटा निकला तो उसने उन चारों को लड़ते देखकर गुर्राकर पूछा, आप सब क्यों लड़ रहे हो?

सभी ने उसे अमरूदों की बात बता दी। साथ ही यह भी बताया कि लंगड़ू लोमड़ ने उन्हें क्या कहा। शेर के बेटे ने आश्चर्य से उन्हें देखा और फिर एक-एक को अलग-अलग बुलाकर कान में कुछ कहा। उसके बाद सभी उसके पीछे चलने लगे। शेर का बेटा उन्हें लंगड़ू लोमड़ की खोह के पास ले गया। वहां उन्होंने देखा, लंगड़ू लोमड़ मजे से अमरूदों का आनंद ले रहा है। शेर के बेटे और चारों दोस्तों को देखकर उसके पसीने छूट गए। सभी उसे देखकर हैरान थे। तभी शेर के बेटे ने लंगड़ू लोमड़ के गाल पर एक थप्पड़ मारा और कहा, तू चोरी करके लाया था अमरूद?

लंगड़ू लोमड़ का दिमाग भन्ना गया। उसकी समझ में ही नहीं आया कि वह क्या उत्तर दे? उसके मुंह से निकला, हां। शेर के बेटे ने उसके गाल पर फिर एक झापड़ रसीद किया। जा, भाग जा यहां से। अब कभी जंगल में नजर मत आना। लंगड़ू लोमड़ वहां से भाग छूटा। फिर चारों दोस्त माजरा समझ गए और एक-दूसरे से माफी मांगी। सभी ने शेर के बेटे को धन्यवाद दिया, उनकी दोस्ती बचाने के लिए।

दूध पीने में करता है बच्चा आनाकानी तो क्या करें?

दूध को एक संपूर्ण आहार माना जाता है, जो हड्डियों व दांतों के लिए बहुत जरूरी होता है, खासकर बच्चों के लिए। दूध बच्चों की हड्डियों में मजबूत ही नहीं बल्कि शरीर विकास में भी मदद करता है लेकिन कुछ बच्चे दूध पीने में आनाकानी करते हैं और मुंह चढ़ाने लगते हैं। ऐसे में मांओं को कुछ अलग सोचना होगा। यहां हम आपको कुछ ट्रिक्स बताएंगे, जिससे बच्चे को दूध पिलाने के लिए डांटने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी और वो दूध भी पी लेगा।

ऐसे पूरी करें कैल्शियम की कमी

अगर बच्चा फिर भी दूध पीने में नखरे दिखाता है तो उनकी डाइट में बादाम बच्चा दूध पीना पसंद नहीं करता तो आप उसे बादाम या आलमंड मिल्क, दही, पनीर, ब्रोकोली, नारियल पानी, सोया प्रोडक्ट्स शामिल करें। इससे शरीर में कैल्शियम की कमी भी पूरी होगी और बच्चे स्वस्थ भी रहेंगे।

फेवरेट गिलास में दें बच्चे को दूध

बच्चें दूध न पीने का बहाना ढूंढते रहते हैं। ऐसे में उन्हें कार्टून करेक्टर गिलास में दूध देकर देखें। हो सकता है कि वो गिलास देखकर दूध पीने लगे।

पसंदीदा फ्लेवर्ड मिल्क पिलाएं

दूध का फ्लेवर चेंज करने के लिए उसमें चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, ड्राईफ्रूट्स, कॉर्नफ्लेक्स, चोकोस आदि डाल सकते हैं। इसके अलावा आप दूध में केसर, खजूर आदि भी डाल सकते हैं। इससे दूध का स्वाद और पौष्टिक तत्व बढ़ जाएंगे।

हैल्दी ऑप्शन चुनें

बच्चा सिंपल दूध नहीं पीता तो उसे मिल्कशेक, कस्टर्ड, स्मूदी, बॉर्नविटा बनाकर खिलाएं। इससे

उन्हें दूध के साथ दूसरे पौष्टिक तत्व भी मिलेंगे।

बच्चे को दूध न हो हजम तो क्या करें?

कुछ बच्चों को दूध हजम नहीं होता और उन्हें पेट में दर्द, गैस, पेट खराब जैसी समस्या होती है। ऐसे में उन्हें हल्दी वाला दूध पिलाएं।

गर्म दूध के बजाए दें कोल्ड मिल्क

बच्चों को गर्म की बजाए ठंडा दूध दें। इसे वो चाव से पी लेंगे और उनकी हड्डियों व दांतों को कैल्शियम भी मिलेगा।

दूध हजम नहीं होता तो क्या करें?

बच्चे को दूध हजम नहीं होता तो उसमें बादाम, अंजीर, हल्दी, चिया सीड्स, पीपल के पत्ते मिलाकर पीएं। इससे दूध हजम हो जाएगा और उल्टी, पेट में गड़बड़ भी नहीं होगी।

आइस क्यूब्स डालें

गर्मियों के बच्चों को दूध की तरफ आकर्षित करने के लिए उसमें कुछ कलरफुल आइस क्यूब्स डालें। इसके लिए आप फूड कलर, रूआबजा आदि का इस्तेमाल कर सकती हैं।

खेल-खेल में पिलाएं दूध

माता-पिता या कोई भी घर का बड़ा बच्चों के साथ बैठकर खेल-खेल दूध पिलाएं। इससे वो मस्ती में दूध भी पी लें और उनकी एक्टिविटी भी हो जाएगी। साथ ही इससे उन्हें दूध के पौष्टिक तत्व भी मिल जाएंगे।

बच्चों में हेमाट्यूरिया
प्रकार, कारण, लक्षण व उपचार

बच्चे को अपनी बढ़ती उम्र में कभी छोटी, तो कभी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हीं में से एक है बच्चों में हेमाट्यूरिया। मॉमजंक्शन के इस लेख में हम आपको बच्चों में हेमाट्यूरिया के बारे में विस्तार से बताएंगे। साथ ही यहां हेमाट्यूरिया के प्रकार, कारण और लक्षण के साथ ही उपचार की जानकारी भी मिलेगी। बच्चों में हेमाट्यूरिया को समझने के लिए इस लेख को अंत तक पढ़ें।

सबसे पहले समझिए कि हेमाट्यूरिया क्या होता है।

बच्चों के पेशाब में खून नजर आने की स्थिति को हेमाट्यूरिया कहते हैं। इसकी मात्रा पेशाब में इतनी कम हो सकती है कि बिना माइक्रोस्कोप के नजर ही न आए या फिर खून की वजह से पेशाब का रंग लाल या गुलाबी दिख सकता है। साथ ही पेशाब करने के बाद खून के धब्बे भी दिखाई दे सकते हैं। हेमाट्यूरिया थोड़े समय के अंतराल में या लगातार हो सकता है। ऐसे में बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाकर इसका कारण जानना और उपचार शुरू करना जरूरी है।

क्या बच्चों के मूत्र में रक्त एक गंभीर समस्या है?

हां, बच्चों के पेशाब में खून आने की समस्या कुछ मामलों में गंभीर हो सकती है। इसे वक्त रहते बढ़ने से रोका जा सकता है। इसके लिए हेमाट्यूरिया के कारण जैसे इंफेक्शन और अन्य समस्या का उपचार करने के साथ ही बच्चे को हाइड्रेट रखना जरूरी है।

हेमाट्यूरिया के प्रकार

हेमाट्यूरिया के बाद हम हेमाट्यूरिया के प्रकार बता रहे हैं। एनसीबीआई की वेबसाइट पर प्रकाशित एक शोध में हेमाट्यूरिया दो प्रकार के माने गए हैं।

माइक्रोस्कोपिक हेमाट्यूरिया: इस प्रकार का हेमाट्यूरिया होने पर पेशाब में रक्त कोशिकाएं केवल माइक्रोस्कोप से देखने पर ही नजर आती हैं। इसी वजह से इस प्रकार के हेमाट्यूरिया के बारे में तबतक पता नहीं चलता है, जबतक कि बच्चों का मूत्र परीक्षण नहीं करवाया जाता। यह हेमाट्यूरिया अपर यूरीनरी ट्रेक के घाव जैसे ग्लोमेरुलस या ट्यूबलोइंटरस्टिटियम के कारण हो सकता है।

ग्रॉस हेमाट्यूरिया: जब बिना माइक्रोस्कोप की सहायता के भी पेशाब में लाल रक्त कोशिकाएं नजर आती हैं, तो उसे ग्रॉस हेमाट्यूरिया कहते हैं। इस हेमाट्यूरिया के प्रकार में खून की मात्रा पेशाब में इतनी होती है कि उसका रंग लाल, भूरा या गुलाबी दिखने लगता है। आम तौर पर यह हेमाट्यूरिया लोअर यूरीनरी ट्रेक जैसे मूत्राशय और मूत्रमार्ग में होने वाले घाव के कारण हो सकता है।

बच्चा हमेशा रहता है चिड़चिड़ा तो फॉलो करें ये टिप्स

कोरोना का असर अभी तक बच्चों की जिंदगियों में देखने को मिल रहा है। अभी तक स्कूल पूरी तरह से ना खुलने के कारण उन्हें ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ रही है। वहीं बच्चे लंबे समय तक घर पर बंद है। इसके कारण कई बच्चों को स्ट्रेस होने से उनके स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। असल में, उन्हें अपनी पर्सनल और स्कूल लाइफ में बैलेंस बनाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे इस मुश्किल दौर में बच्चे का खास ध्यान रखकर उनकी लाइफ में बदलाव लाएं। चलिए आज हम आपको कुछ टिप्स बताते हैं, जिसकी मदद से आप बच्चे की पर्सनल जिंदगी और स्कूल लाइफ के बीच बैलेंस बना सकती है...

एक्टिव रखें : बच्चे घर पर रहकर या ऑनलाइन क्लासिस लगाकर थका-थका महसूस करते हैं। मगर इसमें पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे बच्चे को एक्टिव रखने की पूरी कोशिश करें। इसके लिए आप घर पर ही उसे कोई छोटे-मोटे गेम्स

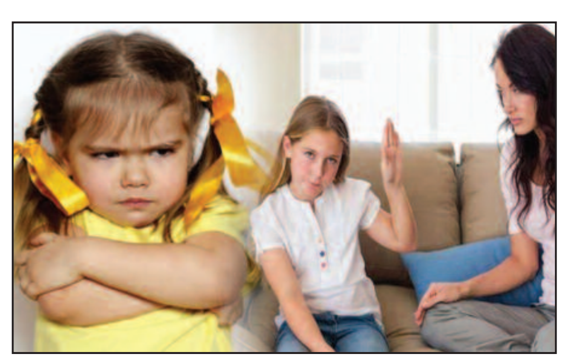

खिला सकते हैं। ताकि आपका बच्चा एक्टिव रहे। एक्टिव रहने से स्ट्रेस हार्मोन कम होने में मदद मिलती है। ऐसे में आपका बच्चा खुश रहेगा। आप कोरोना गाइलाइन्स का पालन करते हुए कभी-कभाव उसे घर से बाहर भी लेकर जा सकते हैं।

बच्चे से बातचीत करें : अगर आपका बच्चा स्ट्रेस महसूस कर रहा हो तो उसके साथ समय गुजारें। उनके साथ बातें करें। उसे समझाएं कि इस तरह गुस्सा करने से उसकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। आप उसे खुश रखने के लिए उसका मनपसंद काम कर सकते हैं। इसके अलावा उसकी ऑनलाइन क्लास में उसकी मदद करें।

फैमिली गेम नाइट करें प्लान : बच्चे को एक्टिव व हैप्पी रखने के लिए आप कभी-कभार फैमिली गेम नाइट आयोजित कर सकते हैं। इसमें आप कुछ आसान सी फिजिकल एक्टिविटीज शामिल कर सकती है। इसके अलावा कुछ बच्चे की पसंद की डिशेज भी रख सकती है। इससे आपका बच्चा उस पल को अच्छे से एन्जॉय करेगा। साथ ही अपनी चिंता व एंजाइटी को भूल जाएगा।

बच्चे की डाइट का रखें ध्यान : शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने से भी बच्चे चिड़चिड़ा स्वभाव करने लगते हैं। इसलिए बच्चे की डेली डाइट में पोषक तत्वों व एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर चीजें शामिल करें। इससे आपके बच्चे की इम्यूनिटी बढ़ेगी। वे दिनभर एनर्जेटिक रहेगा। अगर आपके बच्चे को बाहर का खाना ज्यादा पसंद है तो आप उसे घर पर ही पिज्जा, सैंडविच, फ्रूट कस्टर्ड, शैक, स्मूदी आदि हेल्दी चीजें बनाकर खिला सकती है। ये सब चीजें आपका बच्चा खुशी-खुशी खाएगा। साथ ही इससे उसकी सेहत को कोई नुकसान भी नहीं झेलना पड़ेगा।

बच्चे का एक रूटीन सेट करें : आप अपने बच्चे का एक रूटीन सेट कर सकती है। इसमें आपको उसके जागने से लेकर सोने तक का सारा टाइम टेबल सेट करना होगा। इससे बच्चे को इस बात की समझ आएगी कि उसे कब जागना है, कब खाना है, कब खेलना व पढ़ना है। एक रूटीन सेट होने पर वह अपने सारे काम उसी मुताबिक करेगा। ऐसे में उसे एक खुशहाली और ट्रेंशन फ्री जिंदगी जीने में मदद मिलेगी।

बच्चों को शुरुआत से ही सिखाएं ये आदतें पढ़ाई में हमेशा रहेंगे अव्वल

हर माता-पिता अपने बच्चे को एक अच्छा व कामयाब इंसान बनना देखना चाहते हैं। इसकी शुरुआत स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने से ही होती है। इसके लिए कई पेरेंट्स बच्चों को ट्यूशन क्लास भी ज्वाइंन करवाते हैं जिससे उनका दिमाग तेज हो पाए। मगर आप चाहे तो बच्चे की डेली रूटीन में कुछ खास बदलाव करके उन्हें एक बेहतर विद्यार्थी बना सकते हैं। चलिए आज हम आपको इससे जुड़े कुछ खास टिप्स बताते हैं...

नियमित रुप से पढ़ना

बच्चा सही से पढ़ रहा है या नहीं इसके लिए पेरेंट्स जिम्मेदार होते हैं। इसलिए माता-पिता का फर्ज बनता है कि वे अपने बच्चे को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही बच्चे के पढ़ाई दौरान उनके साथ बैठें। इससे उन्हें पढ़ाई में मदद मिलेगी और रोजाना पढ़ने की आदत बनेगी।

पढ़ने का समय तय करें

बच्चों को कोई आदत डालने के लिए जरूरी है कि समय तय करें। इसके लिए आप बच्चे के पढ़ने का भी एक समय सेट करें। इससे उनकी एक रूटीन बन जाएगी। साथ ही आपको बार-बार उसे पढ़ने के लिए नहीं कहना पढ़ेगा।

किताबें व्यवस्थित रखना

कई पेरेंट्स बच्चे की किताबें व जरूरी सामान को खुद संभालते हैं। मगर ऐसा करने की जगह पर बच्चे को इस बात की आदत लगानी चाहिए। बच्चों को उसका स्कूल बैग खुद सेट करना सिखाएं। इससे वे अपनी चीजें

संभालना सिखेंगे साथ ही वे पढ़ने व स्कूल जाने के लिए प्रेरित होंगे।

खुद का टेस्ट लेना सिखाएं

खुद को तैयार करने के लिए स्वयं की परीक्षा लेना बेस्ट माना जाता है। ऐसे में अगर आपका बच्चा 7-8 साल है तो उसे खुद से पढ़ना व परीक्षा लेना सिखाएं। इससे उसे पता चलेगा कि उसे किस विषय में कितनी मेहनत करने की जरूरत है। इसके अलावा आप पढ़ने में उसकी मदद जरूर करें।

नॉलेज का इस्तेमाल करें

बच्चे को सिखाएं कि चीजों को समझ व उन्हें याद करना ही काफी नहीं होता है। उन्हें जरूरत पढ़ने पर अपनी नॉलेज का इस्तेमाल करना भी जरूरी है। बच्चे को दूसरों के आगे बात करना व बोलना सिखाएं। इससे बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ेगा साथ ही उसे अपनी कमियों के बारे में पता चलेगा।

भरपूर मात्रा में पानी पीना

ज्ञान के साथ सेहत का होना भी बेहद जरूरी है। इसलिए बच्चों को भरपूर पानी पीने की आदत डालें। इससे शरीर में मौजूद विषैले पदार्थ बाहर निकलने में मदद मिलती है। ऐसे में बीमारियों से बचाव रहता है। वहीं सेहत दुरुस्त होने से बच्चे का पढ़ाई में पूरा ध्यान लगेगा। एक्पर्ट्स के अनुसार, बच्चों को रोजाना 8-9 गिलास पानी का सेवन करना चाहिए। आप बच्चे की डेली डाइट में पानी वाले फल व सब्जियां, सूप, जूस आदि भी शामिल कर सकती है।

अच्छे दोस्तों की संगत में रहना

एक अच्छा इंसान बनने के लिए अच्छी आदतों का होना बेहद जरूरी है। इसलिए अपने बच्चों को हमेशा अच्छी संगत में रहने के लिए प्रेरित करें। बुरी संगत में आने से बच्चे पढ़ाई में पीछे होने के साथ जीवन में भी गलत आदतें सिख सकते हैं। वहीं अच्छे दोस्त पढ़ाई के लिए प्रेरित करने के साथ पढ़ने में साथ भी देते हैं। इसलिए आपका फर्ज बनता है कि आप बच्चे को सही दोस्त चुनने में मदद करें।

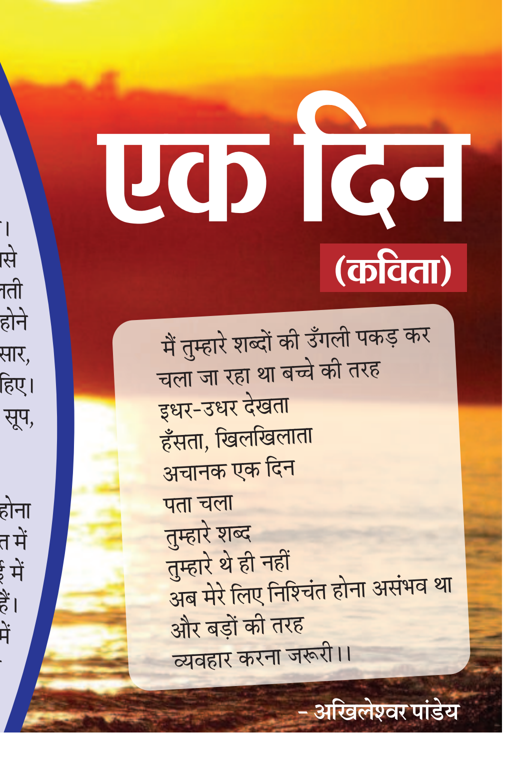

एक दिन
(कविता)

मैं तुम्हारे शब्दों की उँगली पकड़ कर
चला जा रहा था बच्चे की तरह
इधर-उधर देखता
हँसता, खिलखिलाता
अचानक एक दिन
पता चला
तुम्हारे शब्द
तुम्हारे थे ही नहीं
अब मेरे लिए निश्चिंत होना असंभव था
और बड़ों की तरह
व्यवहार करना जरूरी।।

- अखिलेश्वर पांडेय

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

अमेरिकी नियोक्ताओं ने अगस्त में 235,000 नौकरियां दी

वाशिंगटन। अमेरिकी नियोक्ताओं ने अगस्त में 235,000 नौकरियां दी है, जिसमें बेरोजगारी दर गिरकर 5.2 प्रतिशत हो गई, जो डेल्टा वेरिएंट वाले कोविड -19 के बीच नौकरियों में कमी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, आंकड़ों में जुलाई में 1.1 मिलियन और जून में 962,000 नौकरी दी गई है। फरवरी 2020 से अवकाश और आतिथ्य में रोजगार में 17 लाख या 10.0 प्रतिशत की कमी रही है। विभाग ने कहा, अगस्त में पेशेवर और व्यावसायिक सेवाओं, परिवहन और भंडारण, निजी शिक्षा, विनिर्माण और अन्य सेवाओं में नौकरी के लाभ उल्लेखनीय थे, जबकि खुदरा व्यापार में रोजगार में गिरावट आई है। पेशेवर और व्यावसायिक सेवाओं में रोजगार में 74,000 की वृद्धि हुई,यह आंकड़ा इसके पूर्व-महामारी के स्तर से 468,000 कम था। विभाग के अनुसार, निजी शिक्षा में रोजगार में 40,000 की वृद्धि हुई, राज्य सरकार की शिक्षा में 21,000 की गिरावट आई और स्थानीय सरकारी शिक्षा में 6,000 की गिरावट। अगस्त में बेरोजगारी दर 0.2 प्रतिशत घटकर 5.2 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने में 0.5 प्रतिशत गिर गई थी।

जश्न मना रहे तालिबानियों ने बरसाईं गोलियां, बच्चों समेत 17 लोगों की मौत, 41 जख्मी

काबुल। तालिबान ने पंजशीर में कब्जा करने का दावा किया। जिसके बाद तालिबान के चरमपंथियों ने जश्न मनाते हुए गोलियां बरसाईं। जिसमें कम से कम 17 लोगों के मारे जाने की खबर है। जबकि 41 लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबान के चरमपंथियों द्वारा की गई गोलीबारी में बच्चों की भी मौत हुई है। जख्मी का चल रहा इलाज जख्मियों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अस्पताल पूरी तरह से भरे हुए हैं। डॉक्टर आनन-फानन में जख्मियों का उपचार कर रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि आपतकालीन कमरे में ही डॉक्टर ऑपरेशन करने में जुटे हुए है। आपको बता दें कि तालिबान के दावे को पंजशीर घाटी की सुरक्षा में तैनात नॉर्दन एलायंस ने खारिज कर दिया और अभी तक 1200 से अधिक तालिबान के चरमपंथियों को ढेर करने का दावा किया। दरअसल, तालिबान लगातार पंजशीर में घुसपैठ की कोशिशों में जुटा हुआ है और बीते कुछ वक्त से दोनों के बीच में भीषण युद्ध चल रहा है। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने ट्विटर पर हवा में गोलियां चलाने की निंदा की और लड़ाकों से फौरन यह रोकने का आह्वान किया।

नेताओं की बहस में महामारी के बीच ट्रूडो ने चुनावी होने का बचाव किया

ओटावा। कनाडा के चुनाव अभियान के दौरान टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले नेताओं की पहली बहस में, प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को उनके राजनीतिक विरोधियों ने कोविड-19 महामारी के बीच जल्दी राष्ट्रीय वोट देने के लिए रक्षात्मक बना दिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रूडो ने कहा, हम इस महामारी को कैसे खत्म करेंगे और चुनें कि हम इसे कैसे खत्म करते हैं, के लिए कनाडाई लोगों को अनुमति देने के लिए अब एक चुनाव की आवश्यकता है, जिन्होंने अपनी गवर्निंग लिबरल पार्टी को काम जारी रखने के लिए विशेष रूप से खुराक पाने के योग्य सभी लोगों के लिए पर्याप्त टीके प्राप्त करने में सबसे उपयुक्त के रूप में तैनात किया है। बहस में भाग लेने वाले तीन विपक्षी नेताओं ने ट्रूडो पर एक निश्चित चुनाव-तारीख कानून के तहत ऐसा करने के लिए आवश्यक होने से दो साल पहले चुनाव बुलाने में अवसरवादी और लापरवाह होने का आरोप लगाया। कंजर्वेटिव पार्टी के नेता एरिन ओटोल, जिनकी पार्टी ने पिछली संसद में आधिकारिक विपक्ष के रूप में कार्य किया, ने कहा कि कनाडा के लोगों को 20 सितंबर को कोविड -19 स्वास्थ्य संकट के दौरान चुनावों में नहीं जाना चाहिए, जो कि कुछ हिस्सों में अपनी चौथी लहर में प्रवेश कर रहा है। देश, कनाडा के पश्चिमी तट को तबाह करने वाली जंगल की आग और अफगानिस्तान के तालिबान के अधिग्रहण के साथ, जहां 1,250 कनाडाई लोग निष्कासन का इंतजार कर रहे हैं।

फिलिस्तीन ने अमेरिका से जेरूसलम में वाणिज्य दूतावास को फिर से खोलने का किया आग्रह

रामल्लाह। फिलिस्तीनी प्रधानमंत्री मोहम्मद इश्ताए ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन से फिलिस्तीनी प्राधिकरण से किए गए अपने वादों को पूरा करने का आह्वान किया है, जिसमें पूर्वी यरुशलम में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को फिर से खोलना भी शामिल है। इश्ताए ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, हम वाशिंगटन से अपने वादे के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए कहते हैं। मुख्य रूप से पूर्वी यरुशलम में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को फिर से खोलना और फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (पीएलओ) को आतंकवाद की सूची से हटाना शामिल है। बयान के मुताबिक, इश्ताए ने वेस्ट बैंक के शहर रामल्लाह में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक में यह टिप्पणी की। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से पूर्वी यरुशलम और पूरे फिलिस्तीनी क्षेत्रों में बिना किसी प्रतिबंध के संसदीय और राष्ट्रपति चुनाव कराने की अनुमति देने के लिए इजराइल पर अधिक दबाव डालने का आग्रह किया है। बयान के अनुसार, इश्ताए ने प्रतिनिधिमंडल को समझाया कि फिलिस्तीनियों के खिलाफ इजराइल के उपायों के कारण दो-राज्य समाधान का अमेरिका समर्थित सिद्धांत खतरे में है, मुख्य रूप से निपटान निर्माण और विस्तार के मामले में खतरा है। 1967 के मध्य पूर्व युद्ध के दौरान इजराइल ने वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम पर कब्जा कर लिया था और अंतर्राष्ट्रीय आलोचना के बावजूद इस पर कब्जा करना जारी रखा।

आईएसआईएस-के और अलकायदा से लड़ने में सहयोग करने के लिए अमेरिका डाल रहा पाकिस्तान पर दबाव

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

अमेरिका के एक प्रमुख मीडिया संस्था को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले हैं जिनसे ऐसे संकेत मिलते हैं कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद पाकिस्तान पर इस्लामिक स्टेट-खुरासान (आईएसआईएस-के) और अलकायदा जैसे खतरनाक आतंकवादी संगठनों के निपटने में सहयोग करने का दबाव बना रहा है। पाकिस्तान के समाचार पत्र 'द डॉन' ने शुक्रवार को अमेरिका मीडिया संस्था पॉलिटिको में प्रकाशित एक खबर के हवाले से अपनी एक रिपोर्ट में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद अमेरिका और पाकिस्तान के बीच राजनयिक संदेशों के आदान प्रदान का जिक्र किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ये संदेश दिखाते हैं कि ,'' बाइडन प्रशासन अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद पाकिस्तान पर इस्लामिक स्टेट-खुरासान (आईएसआईएस-के) और अलकायदा जैसे खतरनाक आतंकवादी संगठनों के निपटने में सहयोग करने का लगादार दबाव बना रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पॉलिटिको ने संवेदनशील लेकिन गैर खुफिया संदेश तथा अन्य लिखित दस्तावेज प्राप्त किए हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, ''पाकिस्तान ने इसके जवाब में कहा है कि अफगानिस्तान छोड़ कर आ रहे लोगों की मदद में भूमिका निभाने के लिए इस्लामाबाद सार्वजनिक तौर पर अधिक मान्यता दिए जाने का हकदार है, उसने उन खतरों को नजरअंदाज किया कि तालिबान के शासन से उनके देश पर क्या असर हो सकता है।''

रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका पाकिस्तान को एक ऐसे देश के तौर पर देखता है ''जिसका अफगान तालिबान के साथ संबंध है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में जिसका सहयोग मददगार साबित हो सकता है। वह परमाणु हथियार संपन्न देश भी है और अमेरिकी अधिकारी उसे पूरी तरह से चीनी प्रभाव में आने और गंवाने को स्वीकार नहीं करेंगे।'' गौरतलब है कि चीन पाकिस्तान का करीबी सहयोगी देश है और अफगानिस्तान में बदल रहे हालात में वह पाकिस्तान के साथ समन्वय में काम कर रहा है।

धन के बिना कैसे देश चलाएगा तालिबान? अफगानिस्तान की आधी आबादी को सहायता की जरूरत

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस अफगानिस्तान में बढ़ रहे मानवीय संकट से निपटने के लिए कोष बढ़ाने के संबंध में जेनेवा में 13 सितंबर को मंत्रिस्तरीय बैठक करेंगे। अफगानिस्तान की आधी आबादी को सहायता की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने शुक्रवार को कहा कि गुतारेस अफगान लोगों तक पूर्ण तथा निर्बाध मानवीय सहायता पहुंचना सुनिश्चित करने के लिये भी अपील करेंगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र 2021 के लिए 1.3 अरब डॉलर की अपील करता है ताकि एक करोड़ 80 लाख से अधिक लोगों को मदद दी जा सके।

प्रवक्ता ने कहा, ''अफगानिस्तान पर मानवीय संकट मंडरा रहा है। तीन में से एक अफगान को नहीं पता कि उन्हें अगला भोजन कैसे मिलेगा। अगले 12 माह में पांच वर्ष से कम उम्र के आधे बच्चों के कुपोषित होने की आशंका है।'' इससे पहले शुक्रवार को दुजारिक ने कहा था कि महासचिव अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों को सुविधाएं देने और परिवहन में मदद के लिए डेनमार्क, कजाखस्तान, उत्तरी मैसेडोनिया, पाकिस्तान, पोलैंड, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के आभारी हैं।

तालिबान ने जारी की वीडियो, कहा- 9/11 हमलों के लिए केवल अमेरिका है दोषी

वॉशिगंटन। (एजेंसी)।

तालिबान ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें वह 9/11 आतंकी हमलों के लिए अमेरिका को दोषी ठहरा रहा है। बता दें कि अल कायदा ने 11 सितंबर 2001 को आतंकवादी हमला किया था जिसमें लगभग 3000अमेरिकियों की हत्या हुई थी। डेली वायर में छपी एक खबर के मुताबिक, फ़ाउंडेशन ऑफ़ डिफेन्स ऑफ़ डेमोक्रेसीज़ लॉन्ग वॉर जर्नल की रिपोर्ट में तालिबानियों को ऊपर बनी विक्टोरियस फ़ोर्स 3 नाम की एक शॉर्ट फिल्म है जिसे अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आरटीए टेलीविजन स्टेशन पर प्रसारित किया गया था। इस फिल्म में तालिबान जश्न मनाते हुए दिखाई दे रहे है।

फिल्म के स्टोरीटेलर ने बताया कि, अमेरिका सच्ची 'आतंकवादी' पार्टी है, जबकि 9/11 'हमले मुस्लिम दुनिया के खिलाफ संयुक्त राज्य की आक्रामकता की नीति का परिणाम थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका और उसके सहयोगियों ने इस मुद्दे पर इस्लामी अमीरात के उचित रुख पर विचार किए बिना एक सैन्य आक्रमण शुरू किया।लॉन्ग वॉर जर्नल के मुताबिक, तालिबान ने 9/11 से पहले अल कायदा को पनाह देने और उसके साथ काम करने की जिम्मेदारी कभी स्वीकार नहीं की। दोनों आज तक आपस में जुड़े हुए हैं। 9/11 के हमलों के कुछ ही हफ्तों बाद, तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर, जिसने ओसामा बिन लादेन को अमेरिका को सौपने से मना कर दिया था ने कहा कि, अमेरिका ने उस बुराई को बनाया है जो अब उस पर हमला कर रही है।

पाकिस्तान और ईरान में बड़ी संख्या में नहीं देखी जा रही अफगान शरणार्थियों की आमद

जेनेवा (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) ने तालिबान द्वारा युद्धग्रस्त राष्ट्र के अधिग्रहण के बाद पाकिस्तान और ईरान की सीमा पार करने की कोशिश कर रहे अफगान शरणार्थियों की एक बड़ी आमद नहीं देखी है और इसके पीछे के कारणों का विश्लेषण किया जा रहा है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसीने शुक्रवार को अपनी एक रिपोर्ट में यूएनएचसीआर के प्रवक्ता बाबर बलूच के हवाले से कहा कि दरअसल अफगानिस्तान के अंदर विस्थापन का संकट हो रहा है।

हालांकि, अफगानिस्तान के अंदर और साथ ही पड़ोसी देशों की सीमाओं पर अनिश्चित स्थिति के बारे में जानकारी जुटाना मुश्किल है। प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि अफगानिस्तान व्यापार और समर्थन प्रवाह के बिना एक बड़े संकट का सामना कर सकता है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को स्थिति से आंखें नहीं मूंदनी चाहिए। बलूच के अनुसार, परंपरागत रूप से अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान के बीच हमेशा लोगों की आवाजाही और वाणिज्यिक प्रवाह रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, अफगान अभी भी आने में सक्षम हैं, लेकिन उन्हें आईडी दस्तावेज और वीजा दिखाना होगा। संयुक्त राष्ट्र के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, अफगानिस्तान की लगभग आधी आबादी या 1.8 करोड़ लोगों को जीवित रहने के लिए मानवीय सहायता की आवश्यकता है। स्थिति यह है कि तीन में से एक अफगान को यह नहीं पता कि उनका अगले समय का भोजन कहां से आएगा, जबकि पांच वर्ष से कम आयु के आधे से अधिक बच्चों के अगले वर्ष गंभीर रूप से कुपोषित होने की आशंका है। यूएनएचसीआर के अनुसार, अफगानी दुनिया भर में सबसे बड़ी शरणार्थी आबादी में से एक हैं। दुनिया में 26 लाख पंजीकृत अफगानी शरणार्थी हैं, जिनमें से 22 लाख अकेले ईरान और पाकिस्तान में पंजीकृत हैं। अन्य 35 लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं, जो देश के भीतर शरण की तलाश में अपने घरों से भाग गए हैं। तेजी से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को देखते हुए, भागने वालों की संख्या में वृद्धि जारी रहने की संभावना है।

कैसे होगा महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का अंतिम संस्कार? डॉक्युमेंट हुआ लीक

वॉशिगंटन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीयको लेकर पहली बार एक डॉक्युमेंट लीक हुई है जिसमें उनके निधन के बाद ब्रिटेन में पूरी योजनाओं का विवरण किया गया है। आपको बता दें कि महारानी के मौत के बाद लंदन में एक बड़ा ऑपरेशन जारी किया जाएगा, जिसमें उनको दफनाने की प्रक्रिया से लेकर पुलिस के इंतजाम तक की बात लिखी गई है। हालांकि, बकिंघम पैलेस ने इस दस्तावेज को लेकर अभी तक ऑफिशियल टिप्पणी नहीं दी है।एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस ऑपरेशन को ऑपरेशन लंदन ब्रिज का कोडनेम दिया गया है।

बता दें कि इस ऑपरेशन से जुड़ी सारी जानकारी अमेरिकी न्यूज संस्था 'पॉलिटिको के पास है। इसमें बताया गया है कि, महारानी के निधन वाले दिन अधिकारी डी-डे मनाएंगे। महारानी को 10 दिनों के बाद दफनाया जाएगा। वहीं, उनके बेटे और पोते महारानी के दफनाने की प्रक्रिया से पहले पूरे ब्रिटेन का दौरा करेंगे। इसके साथ ही, महारानी के ताबूत को संसद में तीन दिनों तक रखा जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, बड़ी संख्या में लंदन में लोग पहुंचेंगे। इस दौरान पुलिस व्यवस्था और भोजन की कमी न हो को देखते हुए काफी चिंता बनी हुई है। महारानी के अंतिम संस्कार के दौरान काफी भीड़ होगी और यात्रा के दौरान स्थिति खराब होने के समय सुरक्षा के कड़े इंतजाम तेजी से करने की योजना होगी। मेमो में चेतावनी देते हुए कहा गया है कि, महारानी की निधन के बाद ब्रिटेन की राजधानी में काफी ज्यादा लोगों की भीड़ उमड़ेगी।पॉलिटिको के अनुसार, क्वीन के निधन के बाद , नए राजा घोषित हुए राजा चार्ल्स ब्रिटेन के चार राष्ट्रों का दौरा करेंगे। यह भी कहा जा रहा है कि, ब्रिटिश प्रधानमंत्री के साथ पहले ही समझोता किया जा चुका है कि महारानी के अंतिम संस्कार के दिन को राष्ट्रीय शोक घोषित किया जाएगा।

न्यूजीलैंड आतंकी हमला में भारतीय शख्स ने दिखाया गजब का हौसला, आतंकवादी पर किया हमला, जख्मियों को भी बचाया

वेलिंगटन। (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के ऑकलैंड सुपरमार्केट में इस्लामिक स्टेट (ढ्ठस्) के आतंकी ने शुक्रवार को हमला किया था। इस दौरान आतंकी ने छह लोगों को चाकू से घोंपकर जख्मी कर दिया था। हालांकि हमले के कुछ वक्त बाद ही उसे मार गिराया गया था। इस बीच एक भारतीय व्यक्ति ने गजब का हौसला दिखाया, जिसकी कहानी आज चारो तरफ छाई हुई है।

भारतीय ने दिखाया गजब का हौसला

आपको बता दें कि इस्लामिक स्टेट के आतंकी ने सुपरमार्केट में चाकू लेकर 'अल्लाहू अकबर' का नारा लगाते हुए लोगों को निशाना बनाया। इस दौरान उसने छह लोगों को जख्मी किया। हालांकि एक भारतीय व्यक्ति ने गजब का हौसला दिखाया और आतंकवादी को ही चौंका दिया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक सुपरमार्केट में हुए हमले के बाद लोग वहां से भागने लगे, लेकिन जब अमित नंद नामक भारतीय ने लोगों को भागते देखा तो वह कुछ समझ ही नहीं पाया। फिर अचानक उसकी नजर बड़ा सा चाकू लिए एक हमलावर पर पड़ी। उस वक्त अमित को एक महिला के पुकारने की भी आवाज सुनाई दे रही थी, जिसके बाद उसने उसे बचाने का निर्णय लिया।

आतंकी से भिड़ गया भारतीय

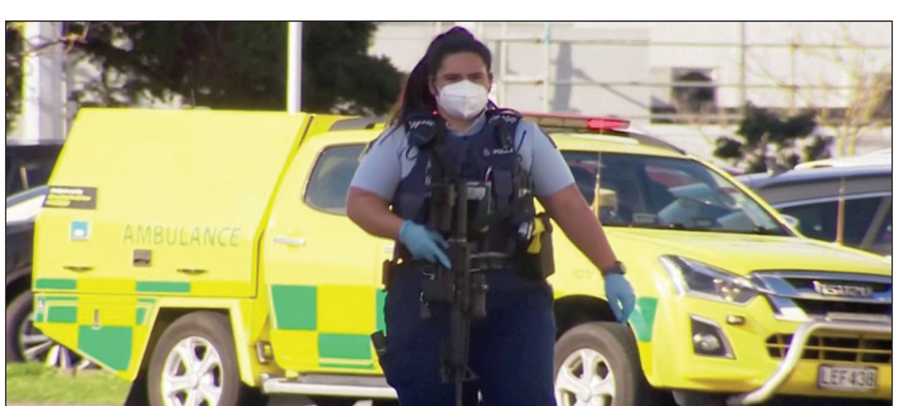

जब हर कोई अपनी जान बचाते हुए सुपरमार्केट से बाहर भाग रहा था तब अमित नंद ने वहां मौजूद एक अन्य व्यक्ति से डंडा मांगा और आईएस के आतंकी से भिड़ गया। हालांकि कुछ वक्त बाद पुलिसकर्मी ने मोर्चा संभाल लिया और आतंकवादी को ढेर कर दिया।

भारतीय ने की जख्मियों की मदद

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आतंकी के मारे जाने के बाद अमित नंद ने जख्मियों की मदद की और सुपरमार्केट में मौजूद सामान से जख्मियों का खून रोकने की कोशिश की। मरने वाले आतंकी की पहचान श्रीलंकाई नागरिक के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि श्रीलंकाई नागरिक आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट से प्रभावित था।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने कहा, ''वहां मौजूद हर व्यक्ति और जिसने इस भयानक घटना को देखा, उनके बारे में मैं कल्पना भी नहीं कर सकती कि इसके बाद वह कैसा महसूस करेंगे, लेकिन जख्मियों की मदद के वास्ते आगे आने के लिए आपका शुक्रिया।''

वहीं श्रीलंका ने इस हमले की निंदा की। श्रीलंकाई विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''श्रीलंका इस जघन्य हिंसा की निन्दा करता है और किसी भी तरह की मदद के लिए न्यूजीलैंड के अधिकारियों का सहयोग करने को तैयार है।''

फिलीपींस भारत, 9 अन्य देशों से यात्रा प्रतिबंध हटाएगा

मनीला (एजेंसी)।

फिलीपींस भारत और नौ अन्य देशों से आने वाले सभी यात्रियों के लिए यात्रा प्रतिबंध 6 सितंबर से हटा देगा, हालांकि अत्यधिक संक्रामक डेल्टा वैरिएंट से बढ़े हुए कोविड -19 मामले होने के बाद भी उन्होंने यह कदम उठाया है। इसकी जानकारी राष्ट्रपति के प्रवक्ता हैरी रोके ने शनिवार को दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते ने भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, थाईलैंड, मलेशिया और इंडोनेशिया पर मौजूदा यात्रा प्रतिबंधों को हटाने के लिए इंटर-एजेंसी कोविड -19 टास्क फोर्स की सिफारिश को मंजूरी दे दी है। रोके ने एक बयान में कहा, उपरोक्त देशों से आने वाले अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को उचित प्रवेश, परीक्षण और क्वारंटीन प्रोटोकॉल का पालन करना होगा।हालांकि, राजनयिकों और फिलिपिनो नागरिकों के विदेशी जीवनसाथी जैसे विशेष वीजा

धारकों को छोड़कर विदेशी पर्यटकों के देश में प्रवेश पर अभी भी प्रतिबंध है। डेल्टा वैरिएंट का स्थानीय प्रसारण फिलीपींस में समुदायों में फैल गया है। देश ने अब तक 1,789 डेल्टा मामलों और 33 मौतों का पता लगाया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने डेल्टा वैरिएंट के सामुदायिक प्रसारण की पुष्टि करते हुए कहा कि यह अब फिलीपींस में फैलने वाला प्रमुख कोविड -19 स्ट्रैन है। अप्रैल में, फिलीपींस ने भारत पर प्रतिबंध लगा दिया और बाद में डेल्टा मामलों वाले नौ अन्य देशों को शामिल करने के लिए इसका विस्तार किया। फिलीपींस अब बढ़ते कोविड -19 संक्रमण से जूझ रहा है। दक्षिण पूर्व एशियाई देश ने 33,873 मौतों के साथ कुल 2,040,568 कोविड -19 की पुष्टि की है।

सार समाचार

रोज कर रहे थे लड़के छेड़छाड़, परेशानी में 19 साल की लड़की ने तेजाब पीकर की खुदकुशी

नोएडा। आगरा में कुछ पुरुषों द्वारा कथित तौर पर परेशान किए जाने से परेशान 19 वर्षीय एक युवती ने तेजाब पीकर खुदकुशी कर ली। विपक्षी कांग्रेस ने इस घटना को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। पुलिस अधीक्षक (आगरा पश्चिम) सत्य गुप्ता ने कहा कि मामले में आरोपी के रूप में नामजद तीन लोगों में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारी ने कहा, युवती आगरा के मालपुरा इलाके में रहती थी। उसके पिता द्वारा की गई शिकायत के अनुसार, उसको तीनों आरोपियों ने लगातार परेशान किया, जिसके कारण उसने बृहस्पतिवार को अपने घर में रखा तेजाब पी लिया। गुप्ता ने कहा, महिला को गंभीर हालत में एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया और स्थानीय थाने में तुरंत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस टीम उसका बयान दर्ज करने के लिए अस्पताल पहुंची और स्थानीय मजिस्ट्रेट को भी सूचित किया गया। मजिस्ट्रेट ने उसकी मृत्यु से पहले उसका बयान दर्ज किया।'

हिमाचल में नहीं होंगे मंडी लोकसभा व तीन विधानसभा क्षेत्रों के उप चुनाव

शिमला। हिमाचल प्रदेश में उप चुनावों के जरिये अपनी किस्मत आजमाने व राजनैतिक पारी की शुरूआत का मंसूबा पाले नेताओं को आज मायूसी हाथ लगी हे। चूंकि निर्वाचन आयोग ने प्रदेश की फतेहपुर विधानसभा सीट और मंडी लोकसभा सीट में उपचुनाव नहीं कराने का फैसला लिया है। निर्वाचन आयोग ने यह निर्णय राज्य के मुख्य सचिव की आपदा और फेस्टिवल सीजन की दलील को देखते हुए लिया है। मंडी और कांगडा जिला की फतेहपुर सीट को खाली हुए छह महीने का समय पूरा हो रहा है। ऐसे में चुनाव आयोग छह महीने के भीतर उपचुनाव कराने के लिए बाध्य था। इसी साल फरवरी में दुनिया को अलविदा कहने वाले पूर्व मंत्री सुजान सिंह पठानिया कांगड़ा जिले में फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे। उनके निधन से सीट खाली हुई थी।

ट्रेन में अपने विधायक के व्यवहार पर नरम दिखे नीतीश कुमार

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को अपनी पार्टी के विधायक गोपाल मंडल के कथित अभद्र व्यवहार पर सीएम नीतीश कुमार नरमी से पेश आये। भागलपुर जिले के गोपालपुर से जदयू विधायक गोपाल मंडल 2 सितंबर को पटना-नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस के एसी फर्स्ट क्लास डिब्बे में अपने अंडरगारमेंट में टहल रहे थे। जिसके बाद में उनके व्यवहार पर आपत्ति जताई गई। गोपाल मंडल के खिलाफ सरकारी रेलवे पुलिस ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्राथमिकी दर्ज की है। जब पत्रकारों ने नीतीश कुमार से पूछा कि गोपाल मंडल के खिलाफ उनके व्यवहार के लिए क्या कार्रवाई की जा रही है, तो उन्होंने कहा, ये चीजें होती रहती हैं। जांच चल रही है। उन्होंने पटना के भारी भीड़भाड़ वाले अशोक राजपथ रोड पर डबल डेकर फ्लाईओवर का शिलान्यास करते हुए यह बात कही। ट्रेन में अंडरगारमेंट पहनकर चलने पर राजद और लोजपा ने गोपाल मंडल की आलोचना की है। राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा, विधायक के अभद्र व्यवहार ने बिहार की छवि खराब की है। ऐसे नेताओं की वजह से दूसरे राज्यों के लोग हमारा मजाक उड़ाते हैं। वहीं विपक्षी नेता चिराग पासवान ने आरा में अपनी आशीर्वाद यात्रा के दौरान कहा, हम जिस जगह में रह रहे हैं, उसकी गरिमा को बनाए रखना है। कुछ मर्यादा है, जिसका हमें पालन करना है क्योंकि आसपास महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग हैं। उस विधायक का व्यवहार निंदनीय था। नीतीश कुमार को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है : योगी आदित्यनाथ

सिद्धार्थनगर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि प्रदेश सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है और उनकी सहायता के लिए प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। शनिवार को डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के शाहपुर मण्डी परिषद के परिसर में बाढ़ पीड़ितों को सहायता राशि प्रदान करने के बाद उन्हें संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दो हफ्ते से हो रही भारी बारिश के कारण राप्ती, बूढ़ी राप्ती, घोंघी तथा कूड़ी नदी का जल स्तर बढ़ जाने से बाढ़ का पानी आस-पास के इलाकों तक चला गया है।

शराब के लिए पत्नी ने नहीं दिए पैसे,पति ने गुस्से में आकर पत्नी को किया आग के हवाले

भोपाल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में एक अजीब किस्सा देखने को मिला है। जहां शराब पीने के लिए पैसा नहीं देने पर नाराज पति ने पत्नी को कैरोसीन डालकर आग के हवाले कर दिया। जिसके बाद घायल अवस्था में महिला का इलाज जारी है। आपको बता दें कि मामला जिले के देवलौंद थाना क्षेत्र के ग्राम सथनी का है। जहां गुरुप्रसाद खैरवार नाम के एक व्यक्ति ने 15 अगस्त को अपनी पत्नी से शराब पीने के लिए पैसों की मांग किया। और पैसा नहीं देने से नाराज पति ने पत्नी के ऊपर कैरोसीन डालकर आग लगा दिया। जिसके बाद पत्नी गंभीर रूप से झुलस गई है। इस दौरान आरोपी पति पत्नी को गंभीर अवस्था में छोड़कर मौके से फरार हो गया। हालांकि पुलिस में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं गंभीर रूप से घायल पीड़िता को उपचार के लिए रीवा मेडिकल में भर्ती कराया गया। जहां महिला जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रही है। वहीं पुलिस ने शराबी पति के खिलाफ धारा 307 के तहत मामला दर्ज कर तलाश कर रही थी जिसे लगभग 20 दिन बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

कार्बी आंगलोंग समझौते पर हस्ताक्षर, अमित शाह बोले- यह दिन इतिहास में स्वर्णमयी अक्षरों के साथ लिखा जाएगा

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में कार्बी आंगलोंग समझौते पर हस्ताक्षर हुआ। यह हस्ताक्षर गृह मंत्रालय में हुआ। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और पूर्व मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनेवाल मौजूद रहे। समझौते के बाद अमित शाह ने कहा कि कार्बी आंगलोंग ऐतिहासिक समझौता आज संपन्न हुआ, ये दिन निश्चित रूप से असम और कार्बी क्षेत्र के इतिहास में स्वर्णमयी अक्षरों के साथ लिखा जाएगा। आज 5 से अधिक संगठनों के लगभग 1000 कैडर ने हथियार डालकर मुख्यधारा में आने की शुरुआत की है।

न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक अमित शाह ने कहा कि कार्बी आंगलोंग के संबंध में असम सरकार 5 साल में एक क्षेत्र के विकास के लिए 1000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। नरेंद्र मोदी सरकार की नीति है कि जो समझौता हम करते हैं, उसकी सभी शर्तों का पालन हम अपने ही समय में पूरा करते हैं। वही असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम में दो आदिवासी समूह बोडो और कार्बी असम से अलग होना चाहते थे। 2009 में बोडो समझौता हुआ और इसने असम की क्षेत्रीय अखंडता को बसाते हुए विकास का नया रास्ता खोला। आज कार्बी समझौता हुआ। इससे कार्बी आंगलोंग इलाके में शांति आएगी। असम के मुख्यमंत्री

ने कहा कि हम उनके पुनर्वास के लिए काम करेंगे। हिल्स ऑटोनोमस काउंसिल में उनको आरक्षण मिलेगा। काउंसिल को 1000 करोड़ रुपये मिलेंगे जिसमें 500 करोड़ केंद्र और 500 करोड़ राज्य सरकार देगी। उन्होंने कहा कि कार्बी भाइयों को विशेष तौर पर जनजातीय लोगों को छठी अनुसूची में आने वाले क्षेत्र में आरक्षण की सुविधा मिलेगी। उनकी भाषाओं के विकास के लिए काम किया जाएगा। क्षेत्र के विकास के लिए 500 करोड़ रुपये राज्य सरकार और 500 करोड़ रुपये केंद्र सरकार काउंसिल को देगी।

अमेठी में 70 साल में जो नहीं हुआ वह भाजपा सरकार ने थोड़े समय में करके दिखाया: स्मृति ईरानी

लखनऊ (एजेंसी)।

अमेठी (उप्र)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि जो अमेठी में 70 साल में नहीं हुआ वह हमारी सरकार ने थोड़े समय में करके दिखा दिया। उन्होंने कहा कि आज कोरोना वायरस जैसी महामारी से लड़ने में अमेठी की चिकित्सा व्यवस्था सक्षम है। स्मृति ईरानी शनिवार से अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी के दो दिवसीय दौरे पर हैं। जगदीशपुर में ट्रॉमा सेंटर का निरीक्षण करने के बाद ईरानी ने कहा कि 70 साल तक अमेठी को तमाम सुविधाओं से वंचित रखा गया, यहां तक कि अमेठी में एक ऑक्सीजन प्लांट भी नहीं था, लेकिन आज अमेठी में सात ऑक्सीजन प्लांट काम कर रहे हैं और ऑक्सीजन के क्षेत्र में अमेठी पूरी तरह से आत्मनिर्भर है ईरानी ने कहा, अमेठी मेरा घर है, परिवार है और परिवार की देखभाल कैसे की जाती है, यह मुझे पता है। मैं जो कहती हूं, वह करती हूं। आप सब ने देखा है कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान जांच के लिए नमूने लखनऊ भेजने पड़ते थे लेकिन उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने ऐसी व्यवस्था की कि अब कोरोना की जाँच अमेठी में हो रही है।

उन्होंने कहा, मैं अमेठी में रहूं या बाहर, मैं हर पल अमेठी की खबर रखती हूं, प्रशासन के संपर्क में रहती हूं और मेरा अधिकारियों से यह साफ कहना है कि मेरी अमेठी के लोगों को कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। जगदीशपुर में ऑक्सीजन प्लांट के उद्घाटन, ट्रॉमा सेंटर के निरीक्षण के दौरान जिला अधिकारी अरुण कुमार. पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष दुबे मौजूद रहे। ईरानी ने अधिकारियों से ट्रॉमा सेंटर की चिकित्सा व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश भी दिए।

चिदंबरम ने गोवा में कांग्रेस-राकांपा गठबंधन पर सवाल को किया दरकिनार

पणजी (एजेंसी)।

गोवा चुनावों के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक पी. चिदंबरम ने शनिवार को राकांपा जैसी समान विचारधारा वाली पार्टियों के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन से जुड़े सवालों को दरकिनार कर दिया। पत्रकारों से बात करते हुए, राज्य के अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान, चिदंबरम ने कहा कि अभी के लिए उनका जनादेश कांग्रेस की राज्य इकाई का पुनर्गठन और मजबूत करना था। इस दौरान चिदंबरम ने कहा, हम पार्टी के पुनर्गठन के अलावा कुछ भी चर्चा नहीं कर रहे हैं। अगले महीने या डेढ़ महीने के लिए, हम केवल पार्टी के पुनर्गठन, पार्टी के पुनरुद्धार, पार्टी के आधार के विस्तार और पार्टी में नए सदस्यों के नामांकन पर चर्चा करेंगे। बस इस पर हम चर्चा कर रहे हैं। एनसीपी महासचिव प्रफुल्ल पटेल द्वारा एक अल्टीमेटम पर प्रतिक्रिया के लिए पूछे जाने पर, जिन्होंने गुरुवार को कांग्रेस से 15 दिनों के भीतर चुनाव पूर्व गठबंधन पर फैसला करने का आग्रह किया था, चिदंबरम ने कहा, मेरे पास कुछ और चर्चा करने का जनादेश नहीं है। इसके अलावा उन्होंने इस सवाल का जवाब देने से भी इनकार कर दिया कि क्या कांग्रेस 10 विधायकों को फिर से शामिल करेगी, जो 2019 में पार्टी से अलग हो गए और बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। गोवा विधानसभा चुनाव 2022 की शुरूआत में होने वाले हैं।

दिल्ली विधानसभा के नीचे मिली सुरंग, ब्रिटिश काल में फांसी घर के लिए किया जाता था इस्तेमाल

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

दिल्ली विधानसभा में एक सुरंग की खोज की गई है। विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने सुरंग की जानकारी देते हुए बताया कि, यह सुरंग लाल किले से जोड़ती है और इसका इस्तेमाल स्वतंत्रता सेनानियों की आवाजाही के लिए किया जाता था। बता दें कि अंग्रेजों के शासन के समय इसका उपयोग होता था। स्पीकर राम निवास गोयल ने बताया कि जब वह 1993 में विधायक बने थे तो उस समय सुरंग को लेकर काफी अफवाह उड़ाई जाती थी और यह भी कहा जाता था कि यह रास्ता लाल किले तक जाता था। अफवाह को जानने के लिए गोयल ने खोज तक की थी लेकिन तब कुछ

हाथ नहीं लगा था।

स्पीकर राम के मुताबिक, अब सुरंग का मुंह मिल गया है और इसे खोदने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ा रहे है क्योंकि मेट्रो परियोजनाओं और सीवर स्थापना के कारण सुरंग का रास्ता काफी हद तक नष्ट हो गया है। बता दें कि इस वक्त जिस भवन में विधानसभा स्थित है वहां पहले कभी केंद्रीय विधान सभा का इस्तेमाल होता था। इस सुरंग का इस्तेमाल 1926 में अंग्रेजों द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों को अदालत ले जाने के लिए किया जाता था। स्पीकर राम गोयल ने बताया कि, आजादी के 75वें साल के बाद उन कमरों का निरक्षण किया गया जहां फांसी दी जाती थी। बता दें कि अब उन कमरों को स्वतंत्रता सेनानियों का मंदिर बनाने का सोचा जा रहा है ताकि उन्हें श्रद्धांजलि मिल सके। देश की आजादी से जुड़ी दिल्ली विधानसभा के इतिहास को देखते हुए अगले स्वतंत्रता दिवस तक पर्यटकों को वह फांसी का कमरा देखने का मौका मिलेगा।

बिहार में दलित नेता पर दांव लगाने की तैयारी में कांग्रेस, कई नेताओं को आपत्ति

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

कांग्रेस अपनी बिहार इकाई की कमान किसी दलित चेहरे को सौंपने की तैयारी में है और इसमें विधायक राजेश राम का नाम सबसे आगे माना जा रहा है, हालांकि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कई वरिष्ठ नेताओं ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि प्रदेश अध्यक्ष के चयन में सिर्फ जाति नहीं, बल्कि संगठन एवं नेतृत्व की क्षमता तथा वोटबैंक के मुख्य आधार को महत्व दिया जाना चाहिए। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस दलित समुदाय से आने वाले अपने विधायक राजेश राम को प्रदेश इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त कर सकती है तथा उनके साथ सात-आठ कार्यकारी अध्यक्ष भी बना सकती है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मदन मोहन झा ने बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से इस्तीफे की पेशकश की थी। पार्टी उस चुनाव में राजद और वाम दलों के साथ गठबंधन में 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी, लेकिन उसे सिर्फ 19 सीटों पर जीत मिली थी।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि पार्टी के प्रदेश प्रभारी भक्त चरण दास औरंगाबाद जिले की कुटुम्बा विधानसभा सीट से विधायक राजेश राम को बिहार प्रदेश कांग्रेस की कमान सौंपने के पक्ष में हैं और जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा हो सकती है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया, ''राजेश राम के नाम पर लगभग सहमति बन गई है। हालांकि, इस पर आखिरी फैसला सोनिया गांधी और राहुल गांधी को करना है।' उन्होंने कहा, ''यदि दलित नेता को अध्यक्ष बनाया जाता है तो कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर सवर्ण, पिछड़े, अति पिछड़े और अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। कुल मिलाकर सभी वर्गों एवं क्षेत्रों को साथ लेकर चलने का प्रयास होगा।'' सूत्रों के अनुसार, कार्यकारी अध्यक्ष की दौड़ में प्रवीण कुशवाहा, कुमार आशीष, चंदन यादव और कई अन्य नेता शामिल माने जा रहे हैं। कांग्रेस की बिहार इकाई में कई ऐसे नेता भी हैं जो राजेश राम को अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपे जाने के पक्ष में नहीं हैं, हालांकि वे खुलकर बोलने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि हाल के दशकों में ब्राह्मण और सवर्ण तथा अल्पसंख्यक ही बिहार में कांग्रेस के वोटबैंक का मुख्य आधार रहे हैं और पार्टी को निर्णय करते समय इस तथ्य को ध्यान में रखना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस कमेटी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा चुके एक नेता ने कहा, ''मेरा मानना है कि कोई भी फैसला वरिष्ठ नेताओं के साथ विचार-विमर्श करके होना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष के लिए सिर्फ जाति मापदंड नहीं होना चाहिए। यह जरूरी है कि प्रदेश अध्यक्ष बनने वाले व्यक्ति में संगठन और नेतृत्व की क्षमता हो और वह बिहार के जातीय एवं क्षेत्रीय संतुलन को समझता हो।'' उन्होंने जोर देकर कहा, ''मुझे विश्वास है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी सिर्फ जाति के आधार पर नहीं, बल्कि पार्टी के हित को ध्यान में रखकर निर्णय करेंगे।''

बेवजह गाल बजाने से बाज आएं अखिलेश और प्रियंका: सिद्धार्थनाथ

लखनऊ (एजेंसी)।

यूपी सरकार के प्रवक्ता और कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने सपा और कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि सपा के सर्वेसर्वा और कांग्रेस की राजकुमारी से मेरा ये सवाल है कि क्या ये लोग सिर्फ ट्विटर पर ही वायरल बुखार से पीड़ित बच्चों के लिए घड़ियाली आंसू बहाएंगे। इन लोगों को बेवजह गाल बजाने से बाज आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मामले नजाकत को समझते हुए योगी सरकार अपने स्तर से हालात पर काबू करने के लिए हर संभव उपाय कर रही है। आप दोनों के ट्विटर पर जोर जोर रोए जाने के पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद फिरोजाबाद हो आए। सीएमओ सहित कुछ लापरवाह चिकित्सकों के प्रति एक्शन भी लिया जा चुका है। हालात पर नजर रखने के लिए हर जिले में शासन के वरिष्ठ अधिकारी डेरा डाल चुके हैं। मुख्यमंत्री का साफ निर्देश है कि वायरल बुखार सहित डेंगू और अन्य मौसमी बीमारियों का सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज होगा। इन रोगों के रोकथाम के लिए जागरूकता के साथ सफाई और फॉगिंग का पूरे प्रदेश में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। यह सारी चीजें इन दोनों लोगों को क्यों नहीं दिखती। अखिलेश ने एक पिता के दर्द का बयां करते हुए जो फोटो ट्विट किया है उसके जवाब में सिद्धार्थनाथ ने कहा कि पिता के दर्द को लेकर आप कुछ न कहें तो अच्छा है। मालूम हो कि फोरोजबाद और पश्चिम के कुछ जिलों में वायरल बुखार के प्रकोप से पीड़ित बच्चों को लेकर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार प्रदेश सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। इन दोनों ने ट्विटर पर जो सवाल उठाए हैं उनके जवाब में सिद्धार्थनाथ ने उक्त बातें कहीं। यह भी कहा कि इन दोनों नेताओं का काम सिर्फ बेवजह गाल बजाना है। इन दोनों को यह भी बताना चाहिए कि वैश्विक महामारी कोरोना की दोनों लहरों के दौरान ये कितनी बार जनता के आंसू पोछने के लिए अपने महल से बाहर निकले। रही बात योगी जी की तो कोरोना के संकट के दौरान ही नहीं हर संकट में वह जनता के बीच ग्राउंड जीरो पर रहे। पिछले दो दिनों से भी वह पूर्वांचल के कुछ जिलों में बाढ़ के मद्देनजर ग्राउंड जीरो पर ही हैं। यह सारी चीजें आपको भले न दिखें, जनता देख रही है। समय आने पर पहले की तरह जवाब भी देगी।

ममता बनर्जी को बड़ी राहत, भवानीपुर सीट पर उपचुनाव का ऐलान, सीएम बने रहने का रास्ता साफ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की खाली पड़ी विधानसभा सीटों में से तीन और ओडिशा की एक सीट पर उपचुनाव कराने के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल की भवानीपुर, शमशेरगंज और जंगीपुर सीटों पर उपचुनाव होंगे। इसके साथ ही ममता बनर्जी के लिए बड़ी राहत की बात सामने आई है। ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री बने रहने के लिए विधानसभा का सदस्य होना जरूरी है। तृणमूल कांग्रेस लगातार उपचुनाव की मांग कर रही थी। अब जब चुनाव आयोग ने उप चुनाव की घोषणा कर दी है ऐसे में ममता बनर्जी की मुश्किलें कम होती दिखाई दे रही हैं।

यह रहा पूरा कार्यक्रम

दरअसल, अगर जल्द चुनाव नहीं कराए जाते तो ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ सकता था। इसके लिए तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव

आयोग के पास 15 जुलाई को उपचुनाव की मांग के साथ अर्जी लगाई थी। 30 सितंबर को पश्चिम बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सीट पर चुनाव होगा। माना जा रहा है कि ममता बनर्जी अपने इस पारंपरिक सीट से ही उप चुनाव लड़ेंगी। इसके लिए भवानीपुर की सीट खाली करा ली गई है। 30 सितंबर को होने वाले वोटिंग के नतीजे 3 अक्टूबर को आएंगे।

ममता के लिए बेहद जरूरी था चुनाव

आपको बताते दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने जबरदस्त तरीके से जीत हासिल की। ममता बनर्जी मुख्यमंत्री बनीं परंतु ममता बनर्जी अपनी सीट शुभेंदु अधिकारी से हार गईं। ममता बनर्जी नंदीग्राम से भाजपा के शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनाव लड़ रही थीं। नंदीग्राम से शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को लगभग 2000 वोटों से शिकस्त दी। फिर भी तृणमूल कांग्रेस ने ममता बनर्जी को विधायक दल का नेता चुना। 4 मई को ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री की शपथ ली। लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री बने रहने के लिए अगले 6 महीने के भीतर विधानसभा का सदस्य बनना जरूरी था। इसी वैधानिक बाध्यता को पूरा करने के लिए भवानीपुर सीट खाली कराया गया था। लेकिन कोरोना संकट गहराने लगा और चुनाव में देरी हुई।

फिरोजाबाद के दौरे पर आए वरिष्ठ अधिकारी, डेंगू और बुखार की रोकथाम के लिये दिये निर्देश

फिरोजाबाद (उप्र) (एजेंसी)।

जनपद में वायरल बुखार व डेंगू के प्रकोप के मद्देनजर जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग हालात को काबू में करने के लिए जुटे हुए हैं, इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकार के दल भी क्षेत्रों में लगातार दौरा कर स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास कर रहे हैं। जिले में शुक्रवार तक वायरल बुखार व डेंगू से 50 लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें ज्यादातर बच्चे हैं। उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार शनिवार को फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज पहुंचे जहां उन्होंने वार्डों मे जाकर मरीजों का हाल जाना। इसके बाद वह सैलई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गए तथाप्रभावित क्षेत्र अब्बास नगर में असलम नामक व्यक्ति के घर गए जहां बुखार से पीड़ित उनकी आठ वर्षीय पुत्री हाशमी और 11 वर्षीय जीनत को मौके पर ही एम्बुलेंस बुलाकर मेडिकल कॉलेज भेजा। शासन द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी सुधीर कुमार बोबडे ने भी शनिवार को मेडिकल कॉलेज और प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने नगर निगम के अधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को तत्काल कूलरों से जाली व पानी की निकासी को कहा है। उन्होंने सभी सरकारी एवं निजी कार्यालयों में भी इस आदेश को तत्काल लागू करने के निर्देश देते हुए गमलों, प्लास्टिक के बर्तनों में पानी भरकर न रखने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि पिछले लगभग दो सप्ताह से वायरल बुखार और डेंगू का प्रकोप फिरोजाबाद शहर से लेकर जिले के ग्रामीण इलाकों तक में जारी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

भेस्तान के सरस्वती आवास में स्लैब ढही, दो लोग गंभीर रूप से घायल

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत,शहर में आवास की स्लैब ढहने की एक और घटना सामने आई है। सूरत के भेस्तान क्षेत्र स्थित सरस्वती आवास में स्लैब ढहने से घर में मौजूद दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सूरत के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूरत महानगर पालिका द्वारा शहर में करोड़ों रूपए खर्च कर आवासों का निर्माण किया जाता है। लेकिन आवास निर्माण में हलकी गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किए जाने से आए दिन दुर्घटनाएं खबरें आती रहती हैं। शनिवार को सूरत के भेस्तान क्षेत्र स्थित सरस्वती आवास में एक परिवार घर में काम कर रहा था, उस वक्त अचानक स्लैब ढह गई। इस घटना में परिवार के दो लोगों को सिर में गंभीर चोट आई है। स्लैब ढहने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े और घायलों को तुरंत एम्ब्युलैंस 108 की मदद से सिविल अस्पताल पहुंचाया। घटना की खबर मिलते ही सूरत महानगर पालिका के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। स्लैब ढहने की घटना से स्थानीय लोगों में दहशत के साथ आक्रोश है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सूरत महानगर पालिका के अधिकारी और ठेकेदारों के बीच मिलीभगत के चलते आवार निर्माण बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जाता है। हलकी गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किए जाने से आवास कुछ ही समय में जर्जरित होने लगते हैं। इसके बावजूद महानगर पालिका के अधिकारी और ठेकेदारों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती।

सेना के जवान को पुलिसकर्मियों ने बुरी तरह पीटा

क्रांति समय दैनिक समाचार

जूनागढ़,गुजरात के जूनागढ़ जिले में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां दो पुलिसकर्मियों ने एक आर्मी जवान को बुरी तरह से पीटा है। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामले में सख्त कार्रवाई की गई है। इसके तहत घटना में शामिल दो पुलिस जवानों को सस्पेंड कर दिया गया है। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी। जिन दो पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गई है उनके नाम राजेश बांधिया और चेतन मकवाना बताए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक जूनागढ़ एसपी रवि तेजा वसमसेट्टी के आदेश पर इन्हें बांटवा पुलिस थाने से अटैच कर दिया गया है। जिस वीडियो की बात हो रही है वह २९ अगस्त की रात का है। यह मनावदार तालुका के पदर्दी गांव बताया जा रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि दो पुलिसवाले सेना के एक जवान को बुरी तरह से पीट रहे हैं। सेना के जवान का नाम कान्हाभाई केशवाला बताया गया है। वह कुछ ही दिन पहले छुट्टी पर अपने गांव आया था। दोनों पुलिसकर्मी सेना के इस जवान को अन्य पुलिसकर्मियों और गांववालों की मौजूदगी में डंडे से पीट रहे हैं। साथ ही उनके ऊपर घूंसे भी बरसाए जा रहे हैं। इस घटना के पीछे अलग-अलग वजहें बताई जा रही हैं। सेना के जवान की मां का कहना है कि उसके बेटे को बिना की किसी वजह के पुलिसवालों ने पीटा है। वहीं गांव वाले कुछ और ही वजह बता रहे हैं। गांव के लोगों ने बताया कि कुछ दिन पहले प्रेम विवाह से जुड़े एक मामले की छानबीन के लिए कुछ पुलिसवाले गांव आए थे। इस दौरान कुछ लोगों ने पुलिस पर हमला कर दिया था। गांववालों के मुताबिक पुलिसवालों को शक था कि यह आर्मी जवान भी उस भीड़ में शामिल था, जिसने पुलिसवालों को पीटा था।

वडताल मंदिर के कर्मचारी ने बच्ची से किया दुष्कर्म, पुलिस ने गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरूकी

क्रांति समय दैनिक समाचार

खेडा,खेडा जिले का वडताल मंदिर फिर एक बार विवाद में आ गया है। वडताल मंदिर के कर्मचारी द्वारा एक मासूम कर्मचारी दर्शन करने आई एक बच्ची को बहला फुसलाकर घुमाने के बहाने अपने साथ ले गया। सोहम भगत बच्ची को लेकर रावल रोड स्थित एक थाने में मामला दर्ज करवा दिया। मामला दर्ज करने के बाद हरकत में आई चकलासी पुलिस ने आरोपी 47 वर्षीय सोहम भगत को गिरफ्तार कर

बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने की घटना सामने आई है। चकलासी पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक खेडा जिला स्थित वडताल मंदिर का सोहम भगत नामक निर्जन जगह पर ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद बच्ची को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया। बच्ची की स्थिति देख परिवार को उसके साथ गलत होने की आशंका हुई। जिसके बाद परिवार ने पुलिस उसका मेडिकल टेस्ट कराने समेत आगे की कार्रवाई शुरू की है। घटना को गंभीरता से लेते हुए वडताल मंदिर ट्रस्ट ने दर्शन को आनेवाले बच्चों की सुरक्षा बढ़ा दी है। साथ ही आरोपी सोहम भगत को भी मंदिर से निकाल दिया है।

मोबाइल चालू करने पर हुआ ब्लास्ट, युवक का हाथ लहुलूहान

अमरेली,जिले के छतडिया गांव में स्वीच ऑफ मोबाइल को चालू करने के प्रयास में उसमें अचानक ब्लास्ट हो गया और आग लग गई। मोबाइल में ब्लास्ट होने से युवक का हाथ लहुलूहान हो गया। जानकारी के मुताबिक अमरेली जिले की राजूला तहसील के छतडिया गांव निवासी मावजी कवाड नामक शख्स के पास सेमसंग कंपनी का मोबाइल था। मोबाइल स्वीच ऑफ था, जिसे मावडी ने जैसे ही स्वीच ऑन किया उसमें अचानक ब्लास्ट हो गया और उसमें धुआं निकलने लगा तथा आग लग गई। घटना के वक्त मावजी के आसपास बैठे परिवार के लोगों में भगदड़ मच गई। इस हादसे में मावजी का हाथ लहुलूहान हो गया। मोबाइल में हुआ ब्लास्ट इतना तेज था कि उसकी आवाज आसपास के घरों में भी सुनाई

बिलीमोरा-वघई नेरोगेज ट्रेन सेवा फिर शुरू सांसद सीआर पाटील ने दिखाई हरी झंडी

क्रांति समय दैनिक समाचार

नवसारी,पिछले दो साल बंद बिलीमोरा-वघई नेरोगेज ट्रेन सेवा फिर एक बार शुरू हो गई है। गुजरात भाजपा प्रमुख और नवसारी के सांसद सीआर पाटील ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नए रंगरूप में शुरूहुई ट्रेन सेवा से यात्रियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। पिछले काफी समय से दक्षिण गुजरात में चलने वाली ज्यादातर नेरोगेज ट्रेन सेवा नुकसान का हवाला देते हुए बंद कर दी गई थी। जिसमें सूरत जिले में कोसंबा से उमरापाडा नेरोगेज ट्रेन और नवसारी के बिलीमोरा से वघई के बीच चलने वाले नेरोगेज ट्रेन बंद कर दी गई थी। स्थानीय खासकर ग्रामीण लोगों के लाइफलाइन बन चुकी नेरोगेज ट्रेन बंद होने से उनकी मुश्किलें बढ़ गई थीं। बिलीमोर से वघई के बीच नेरोगेज ट्रेन शुरू करने के लिए स्थानीय लोगों के विरोध, विधायकों और रेल विभाग की सलाहकार समिति की पेशकश के बाद ट्रेन को पुन: शुरू करने का फैसला किया गया। नए रंग रूप में शुरू हुई बिलीमोरा-वघई नेरोगेज ट्रेन में एसी कोच भी लगाया गया है। साथ ही बिलीमोरा से वघई के बीच यात्री प्राकृतिक सौंदर्य निहार सकें, इसकी खास व्यवस्था की गई है। वर्षों से चल रही बिलीमोरा-वघई ट्रेन में लोग डांग जिले के वघई से नवसारी के बिलीमोरा केवल 15 रूपए में पहुंच जाते थे। लेकिन अब इसका किराया बढ़ाकर रु 40 कर दिया गया है। जबकि एसी कोच का किराया रु 560 तय किया गया है।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com